Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 297
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-सोमवार,23 फरवरी 2026 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

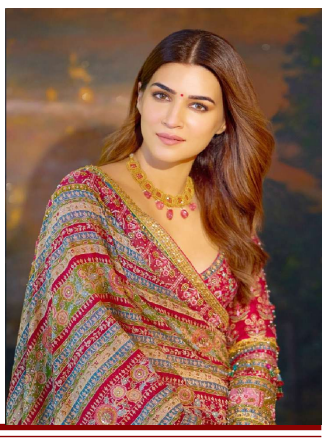

3 बहुजन मिशन को आगे बढ़ाना ही लक्ष्य : मायावती 4 महात्मा गांधी और पंडित नेहरू आज की राजनीति में 5 रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ लंदन में नजर आई

दिल्ली टू मेरठ, पीएम ने दिखाई हरी झंडी

मोदी बोले- देश जानता है कांग्रेसी पहले से नंगे :पीएम बनना चाहते हो तो लोगों के दिल जीतो

मेरठ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मेरठ में शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में मेरठ मेट्रो एवं नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और मेरठ दक्षिण स्टेशन तक मेट्रो रेल से भ्रमण किया। प्रधानमंत्री ने 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ नमो भारत गलियारे को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने भारत के 'नमो भारत रीजनल रैपिड ट्रांसिट सिस्टम' (आरआरटीएस) के शेष खंडों का भी उद्घाटन किया। इनमें दिल्ली में सराय काले खान और न्यू अशोक नगर के बीच का पांच किलोमीटर का खंड और उत्तर प्रदेश में मेरठ (दक्षिण) और मोदीपुरम के बीच का 21 किलोमीटर का खंड भी शामिल है। पीएम मोदी का मुख्यमंत्री ने स्वागत किया। उसके बाद प्रधानमंत्री शताब्दी नगर स्टेशन से 'नमो भारत ट्रेन' और 'मेरठ मेट्रो' को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद मोदी और योगी आदित्यनाथ मेट्रो से मेरठ साउथ स्टेशन तक जाएंगे। बताया कि मोदी वहां से सड़क के रास्ते मोहिउद्दीनपुर में अपराह्न एक बजे जन सभा को संबोधित करने से पहले कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के साथ नमो भारत देश की पहली क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली है। नमो भारत से साहिबाबाद, गाजियाबाद, मोदीनगर और मेरठ जैसे प्रमुख शहरी केंद्र दिल्ली से अधिक तेजी से जुड़ पाएंगें। गलियारे का पहला स्टेशन सराय काले खान, इस उद्घाटन के साथ शुरू होने वाले चार नमो भारत स्टेशन में से एक है। रणनीतिक रूप से अहम यह स्टेशन 'मल्टी-मॉडल हब' है जो हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन, वीर हकीकत राय आईएसबीटी और रिंग रोड को जोड़ता है। जिन तीन अन्य स्टेशन-नमो भारत स्टेशन शताब्दी नगर, बेगमपुल और मोदीपुरम- की शुरूआत की जा रही है, वे मेरठ में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मेरठ दक्षिण और मोदीपुरम के बीच मेरठ मेट्रो सेवा का भी उद्घाटन किया जो नमो भारत के ही बुनियादी ढांचे पर संचालित होगी। यह देश में अपनी तरह की पहली पहल है। मेरठ मेट्रो भारत की सबसे तेज मेट्रो प्रणाली होगी, जिसकी अधिकतम परिचालन गति लगभग 120 किमी प्रति घंटा होगी।

रैपिड रेल और एक्सप्रेस-वे ने मेरठ-दिल्ली की दूरी घटाई, 50 मिनट में सफर संभव: सीएम

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक दशक पहले तक मेरठ से दिल्ली की 80-90 किलोमीटर की दूरी तय करने में चार से पांच घंटे तक लग जाते थे और जाम की आशंका से लोग दिल्ली जाने से कतराते थे, लेकिन आज एक्सप्रेस-वे, रैपिड रेल और मेट्रो जैसी परियोजनाओं ने इस दूरी को महज 45-50 मिनट में समेट दिया है। सीएम योगी ने कहा कि लगभग 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। मुख्यमंत्री ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित हो रहे आधुनिक भारत की नई पहचान बताया। मुख्यमंत्री यहां नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो विस्तार कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे, वंदे भारत, अमृत भारत ट्रेनों और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के माध्यम से एक शहर को दूसरे शहर से तेज, सुरक्षित और अत्याधुनिक ढंग से जोड़ा जा रहा है। इससे न केवल आवागमन सुगम

हुआ है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा गौतमबुद्ध नगर में नए औद्योगिक संयंत्र की आधारशिला रखी गई है, जो भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भारत की प्रगति का प्रतीक है। हाल में आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के अनेक देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रतिनिधियों ने भारत की विकास यात्रा की सराहना की है। मुख्यमंत्री ने डिजिटल इंडिया की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज 140 करोड़ से अधिक लोगों को डिजिटल पहचान मिली है और अरबों डॉलर के डिजिटल लेन-देन हो रहे हैं। यह प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और वंचितों को प्राथमिकता देने वाली नीति का परिणाम है, जिसके तहत बिना भेदभाव के गरीब, किसान, नौजवान और समाज के हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले बड़े प्रोजेक्ट्स की नियमित समीक्षा की परंपरा नहीं थी, लेकिन अब बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठकों के माध्यम से समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। पिछले दस वर्षों में देश में बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में देश का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निमार्णाधीन है, जो शीघ्र ही तैयार होकर प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देगा। साथ ही उत्तर प्रदेश में खेल विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षणिक व औद्योगिक परियोजनाएं भी तेजी से आकार ले रही हैं।

सार संक्षेप

शरद पवार की फिर बिगड़ी तबियत : पुणे के अस्पताल में कराया गया भर्ती

पुणे। एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार को रविवार को फिर से अस्पलात में भर्ती कराया गया है। सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। सुप्रिया सुले ने पोस्ट में लिखा कि हम बाबा को आगे की जांच और हाइड्रेशन के लिए पुणे के रूबी हॉल अस्पताल में भर्ती करा रहे हैं। सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का धन्यवाद। इससे पहले 9 फरवरी को शरद पवार को गंभीर खांसी और सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके भतीजे श्रीनिवास पवार ने जानकारी दी थी कि रविवार रात को ये लक्षण बढ़ गए, जिसके चलते उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने का निर्णय लिया गया। रूबी हॉल अस्पताल के प्रमुख पुरवेज ग्रांट ने बताया था कि शरद पवार को खांसी हो रही है। हम जल्द ही उनकी जांच करेंगे और आवश्यक उपचार तय करेंगे। हम उनकी स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर निर्णय लेंगे।

तेल के खेल में एक साथ भारत और रूस

नईदिल्ली। भारत एक बार फिर से पश्चिम एशिया से कच्चे तेल का आयात बढ़ा रहा है, लेकिन रूस की हिस्सेदारी अभी भी काफी ज्यादा है। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव और नियामकीय दिक्कतों के चलते यह तेजी से बदल रहा है। 1-18 फरवरी के दौरान भारत का कुल कच्चे तेल का आयात औसतन 48.50 लाख टन बैरल प्रतिदिन था, जो जनवरी के 52.50 लाख बैरल प्रतिदिन से आठ प्रतिशत कम है। अमेरिका द्वारा रूस की तेल निर्यातकों इकाइयों पर प्रतिबंध लगाने से आयात में यह कमी आई शिपिंग ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि भारत का रूस का आयात दिसंबर, 2025 में 12.80 लाख बैरल प्रतिदिन से घटकर जनवरी में 12.20 लाख बैरल प्रतिदिन और फरवरी की शुरूआत में लगभग 10.90 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जो महीने-दर-महीने लगभग 10 प्रतिशत कम है। रूस से कितना कच्चा तेल खरीदेगा भारत? रियल-टाइम ग्लोबल कमोडिटी इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स केप्लर में रिफाइनिंग एंड मॉडलिंग के लीड रिसर्च एनालिस्ट सुमित रिटोलिया ने कहा, फरवरी में भारत में रूस का कच्चे तेल का आयात लगभग 10 से 12 लाख बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है ।

देश के 10 राज्यों में गरज के साथ भारी बारिश की संभावना, पहाड़ों पर होगी बर्फबारी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज एक बार फिर मौसम में बड़े बदलाव की चेतावनी दी है। जहां उत्तर भारत में ठंड कमजोर पड़ रही है और तापमान में 2-4 डिग्री की बढ़ोतरी होने वाली है, वहीं दक्षिण भारत में कम दबाव प्रणाली के प्रभाव से भारी बारिश और गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान की संभावना है। 22 फरवरी को मुख्य रूप से दक्षिण तमिलनाडु और दक्षिण केरल में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।इन राज्यों में होगी बारिश भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 22 से 24 फरवरी, 2026 के बीच देश के कई हिस्सों में भारी बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की चेतावनी जारी की है। जिन राज्यों में बारिश की संभावना है उनमें जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना शामिल हैं। 22 और 23 फरवरी को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कुछ जिलों में बारिश की संभावना है। वहीं, उत्तराखंड में 22 फरवरी से 24 फरवरी तक बारिश की संभावना है। दक्षिण भारत में भारी बारिश दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव क्षेत्र के कारण 21-22 फरवरी को तमिलनाडु (दक्षिणी हिस्से), केरल और माहे में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना। गरज-चमक, बिजली गिरने और 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं के झोंके चल सकते हैं। तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 22-24 फरवरी तक हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 21-24 फरवरी तक इसी तरह का मौसम।

असम में चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा बीजेपी में हुए शामिल

नई दिल्ली। असम में चुनावों के पहले कांग्रेस के बड़ा झटका लगा है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। गुवाहाटी में असम बीजेपी अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने दूसरे सीनियर नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल कराया। कुछ दिनों पहले ही बोरा ने इस्तीफा देकर कांग्रेस से 32 साल पुराना नाता खत्म किया था। उन्होंने सीनियर लीडरशिप के साथ मतभेदों को अपने बाहर निकलने का मुख्य कारण बताया। बोरा ने 2006 और 2016 के बीच लगातार दो टर्म तक बिहपुरिया असेंबली सीट का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें अगस्त 2021 में असम कांग्रेस का प्रेसिडेंट बनाया गया था और पिछले साल मई में उनकी जगह लोकसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई को यह पद सौंप दिया गया था।कांग्रेस ने मुझे नजरअंदाज किया- बोरा बीजेपी में शामिल होने के बाद, बोरा ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस को दिया है, लेकिन जब पार्टी के अंदर उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा, तो उन्हें नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा, मैंने राहुल गांधी जैसे नेताओं से बात की, लेकिन किसी ने मेरी बात सुनने या पार्टी की आइडियोलॉजी से जुड़े मुद्दों पर बात करने की जहमत नहीं उठाई। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शुरू में बीजेपी में शामिल होने के इरादे से कांग्रेस नहीं छोड़ी थी।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 16 मौतें

पाकिस्तान: पाकिस्तान की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की। अल-जजीरा के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) और इस्लामिक स्टेट से जुड़े सात कैंपों और ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन था। पाकिस्तान ने कहा, हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क ने कराए। अफगानिस्तानी मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक हमले में नांगरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही

परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए। अब तक सिर्फ चार लोगों को निकाला जा सका है। हमले के समय परिवार सो रहा था, इसलिए उन्हें भागने का मौका ही नहीं मिला। अमेरिकी मानवाधिकार संगठन इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (IHRF) के मुताबिक इसमें 16 लोगों की मौत हो गई। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि, आंकड़ों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अफगानिस्तान बोला- सही समय पर कड़ा जवाब देंगे अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सही समय पर पाकिस्तान को जवाब देने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने इन हमलों को अफगानिस्तान की गोपनीयता नीति का उल्लंघन बताया। अफगान सूत्रों के अनुसार पक्तिका में एक धार्मिक स्कूल पर ड्रोन हमला हुआ और नांगरहार प्रांत में भी कार्रवाई की गई। पाकिस्तान ने कहा है कि उन्होंने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन अफगान स्त्रोतों के अनुसार नागरिकों को नुकसान हुआ। पाकिस्तान लंबे समय से तालिबान सरकार से मांग करता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे। इस्लामाबाद का आरोप है कि ळळळढ अफगानिस्तान से संचालित हो रहा है, जबकि तालिबान इन आरोपों से इनकार करता रहा है। पाकिस्तान की मांग- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तालिबान पर दबाव डाले पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह 2020 में दोहा में अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत तालिबान पर दबाव डाले, ताकि अफगान जमीन का इस्तेमाल दूसरे देशों के खिलाफ न हो। 2020 का दोहा समझौता जिसे अफगानिस्तान में शांति प्रयास भी कहा जाता है। यह अमेरिका और तालिबान के बीच 29 फरवरी 2020 को कतर की राजधानी दोहा में हस्ताक्षरित हुआ था।

ऑपरेशन त्राशी-I : किश्तवाड़ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी ढेर

जम्मू। जम्मू कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर इलाके में रविवार

को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि किश्तवाड़ में चतरू क्षेत्र के पासेरकुट में सुरक्षाबलों ने 'ऑपरेशन त्राशी-क' के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया तथा दो एके-47 राइफलों सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जम्मू कश्मीर पुलिस, खुफिया विभाग और अपने स्वयं के खुफिया स्त्रोतों से प्राप्त विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर, किश्तवाड़ क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें ढेर करने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। इसने कहा, "सीआईएफ (काउंटर इंटेलिजेंस फोर्स) डेल्टा, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की आज पूर्वा करीब 11 बजे दुर्गम इलाके में आतंकवादियों के साथ फिर से मुठभेड़ शुरू हुई।" सेना ने बताया कि जवानों ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। इसने कहा, "तलाश अभी जारी है- जो लोग शांति भंग करने की कोशिश करेंगे, उन्हें कहीं कोई शरण नहीं मिलेगी।" प्रारंभिक जानकारी के हवाले से अधिकारियों ने बताया कि मारे गए दोनों आतंकवादी पाकिस्तानी नागरिक हैं और प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य हैं।

मध्यप्रदेश की 'टाइगर स्टेट' छवि पर दाग, पिछले पांच साल में 147 बाघों की मौत

भोपाल। देश में सर्वाधिक बाघ

होने के कारण मध्य प्रदेश को टाइगर स्टेट कहा जाता है। यहां बाघों की बढ़ती संख्या के बीच बाघों की मौत की घटनाएं चिंता का विषय हैं। सरकार ने कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया के प्रश्न के लिखित जवाब में माना है कि पिछले पांच वर्षों में 147 बाघों की मौत हुई जिसमें शावक भी शामिल हैं। इनमें 87 बाघ आपसी संघर्ष में मारे गए। 16 बाघों की मौत करंट लगने व शिकार के कारण भी हुई। बाघों की सुरक्षा के लिए प्रदेश में स्पेशल फोर्स बनाया जाना प्रस्तावित था लेकिन यह काम भी नहीं हो सका। लिखित उत्तर में सामने आया है कि वर्ष 2018 में बाघ के गणना अनुसार प्रदेश में 526 बाघ बाघिन थे। वर्ष 2022 की बाघ गणना के अनुसार यह संख्या 785 हो गई। इस तरह बाघों की संख्या में 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 से 2025-26 तक 147 बाघ बाघिन और शावकों की मौतें भी हुई हैं। जिसमें वर्ष 2021 व 2022 में 27-27, 2023 में 32, 2024 में 29, व 2025 में 32 बाघों की मौत हुई।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर एफआईआर : भड़के अखिलेश यादव

20 साल पुराना मामला निकालकर अपमानित कर रही सरकार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 20 साल पुराने मामले को निकालकर शंकराचार्य को अपमानित करने की कोशिश कर रही है। सपा कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने कहा कि विचारों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इस स्तर तक जाकर आरोप लगवाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा अगर शिकायतकर्ता किसी अन्य संत के शिष्य हैं, तो मुझसे गलती हुई कि मैंने पूर्व में दर्ज एक मामला वापस

लिया था। मुझे उसे वापस नहीं लेना चाहिए था। दरअसल, यूपी पुलिस ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद ब्रह्मचारी और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ बाल यौन शोषण के आरोपों में एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई न्यायालय के निर्देश के बाद की गई है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि यह पहली बार हुआ जब किसी शंकराचार्य को माघ मेले में गंगा स्नान से रोका गया। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य ठंड के दौरान कई दिनों तक धरने पर बैठे रहे और सरकार ने उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया। यह पूरा घटनाक्रम राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित प्रतीत होता है और सरकार अब जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है। सपा प्रमुख ने भाजपा पर चुनाव से पहले प्रदेश का माहौल खराब करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व में मंदिर में मांस फेंकने जैसी घटनाओं की जांच में भाजपा कार्यकताओं की संलिप्तता सामने आई थी और उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। अखिलेश यादव ने कहा कि सोशल मीडिया पर फर्जी और एडिटेड वीडियो प्रसारित कर समाज में तनाव फैलाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनकी सरकार ने गोमती और हिंडन नदियों की सफाई के लिए योजनाएं शुरू की थीं, लेकिन वर्तमान सरकार विकास कार्यों को आगे नहीं बढ़ा रही। उन्होंने अंडरग्राउंड पाइपलाइन परियोजनाओं को ह्लभ्रष्टाचार की पाइपलाइनह्व करार देते हुए कहा कि बुंदेलखंड से लखनऊ तक अनियमितताएं हो रही हैं। इसकी लागत दोगुनी हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित जापान दौरे पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, जापान जा रहे हैं, लेकिन क्योटो नहीं जा रहे। अखिलेश यादव ने महाभारत के पात्र कर्ण का उल्लेख करते हुए सामाजिक न्याय के मुद्दे पर भी टिप्पणी की और सरकार की नीतियों को लेकर आलोचना की। सपा अध्यक्ष ने कहा कि जनता ने वर्तमान सरकार को मन से अस्वीकार कर दिया है और केवल मतदान का इंतजार है।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-सोमवार ,23 फरवरी 2026

17 को एंट्री, 18 को अपहरण-हत्या और 19 को वापसी, गोली मारकर की थी हत्या

इटावा। सीआरपीएफ जवान अभिषेक ने छुट्टी लेकर सुनियोजित तरीके से दोस्त मनीष की गोली मारकर हत्या की और शव को रेलवे ट्रैक पर फेंककर इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। पोस्टमार्टम में गोली लगने की पुष्टि हुई है। इटावा जिले में सीआरपी जवान अभिषेक ने सुनियोजित तरीके से मनीष का अपहरण करके हत्या की है। पुलिस की जांच में पता चला है कि जालंधर बेस कैंप से छुट्टी लेकर 17 फरवरी को अभिषेक घर आया था। 18 को उसने अपने दोस्तों के साथ अपहरण करके मनीष की हत्या की और 19 को मनीष के शव को रेलवे ट्रैक किनारे फेंककर आरोपी जालंधर रवाना हो गया था। मनीष और अभिषेक साथ में ही कई वर्षों से कोचिंग पढ़ रहे थे। दोनों फोर्स में भर्ती होना चाहते थे। पढ़ने के दौरान ही उनका प्रेम प्रसंग शुरू हो गया था।

2025 में आई भर्ती में अभिषेक की बहन का चयन हो गया था, जबकि मनीष सफल होने से रह गया था। अभिषेक को बहन के प्रेम प्रसंग के बारे में पता चल गया था। मनीष और उसकी बहन मिलते भी थे। यह अभिषेक को अच्छा नहीं लगता था। बताते हैं कि अभिषेक ने कई बार समझाया था, लेकिन दोनों मानने को राजी नहीं थे। मेडिकल स्टोर संचालक की थी कार इससे परेशान होकर अभिषेक ने हत्या की योजना बनाई थी। वह योजना के तहत ही 17 फरवरी को जिले में आया था। उसके बाद 18 को अपने दोस्त विपिन और दीपक को साथ लिया। इसके बाद सुबह कोचिंग के लिए निकले मनीष जो अपनी साइकिल खड़ी करने के बाद का गांव के बाहर वाहन का इंतजार कर रहा था। उसे लिफ्ट देने के बहाने उठाकर ले गए थे। एसएसपी ने बताया कि अपहरण में उपयोग की गई कार शास्त्री चौराहे पर स्थित एक मेडिकल स्टोर संचालक की थी। इसे अभिषेक का दोस्त दीपक चलाता था और अपने साथ ही घर ले जाता था। अपहरण के बाद आरोपी मनीष को संतोषपुर घाट में ले गए। यहां उसकी हत्या कर दी। फिर उसके शव को लेकर आरोपी घूमते रहे। 19 फरवरी को हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए बोरी में मनीष का शव रेलवे ट्रैक पर फेंक गए थे। शव को ठिकाने लगाने के बाद रात में ही जालंधर के लिए रवाना हो गया था। मनीष और अभिषेक की बहन दोनों ही लंबे समय से फोर्स में जाने के लिए तैयारी कर रहे थे। बताते हैं कि अभिषेक की बहन का बीएसएफ में चयन हो गया था। करीब चार महीने नौकरी करने के बाद अभिषेक की बहन ने बीएसएफ की नौकरी छोड़कर पुलिस विभाग ज्वाइन कर लिया था। हालांकि, मनीष का चयन नहीं हो पा रहा था। पोस्टमार्टम में गोली मारकर हत्या की पुष्टि एसएसपी ने बताया कि पांच डॉक्टरों के पैनल से मनीष का पोस्टमार्टम कराया है। पैनल में तीन सैफई के डॉक्टर और दो जिला अस्पताल के डॉक्टर शामिल थे। अभी तक गोली मारकर हत्या करने की बात बताई गई है। 19 दिन पूर्व मनीष की अभिषेक की बहन से हुई थी बात पुलिस जांच में निकलवाई गई सीडीआर में पता चला है कि मनीष की अभिषेक की बहन से अंतिम बात दो फरवरी को हुई थी। पुलिस को संदेह है कि अभिषेक के विरोध के बाद शायद फोन पर बात न होकर किसी अन्य माध्यम से बात होती है। 18 फरवरी को मनीष अपने साथ मोबाइल भी लेकर नहीं गया था। वह अपने साथ सिर्फ टेबलेट लेकर गया था। फिलहाल जांच की जा रही है। गुमशुदगी दर्ज होने से पहले ही कर दी थी हत्या एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मनीष के परिजनों ने 18 फरवरी को रात लगभग 08:86 मिनट पर भरथना कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बताया कि जांच में पता चला है कि आरोपियों ने इससे पहले ही मनीष की हत्या कर दी थी।

टैंकर और पिकअप की आमने-सामने टक्कर, चालक केबिन में बुरी तरह फंसा

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के कोरी गांव स्थित रिंग रोड पर शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें टैंकर और पिकअप की आमने-सामने टक्कर के बाद पिकअप चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन की मदद से चालक को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। झांसी के चित्रकूट निवासी शत्रुघ्न सिंह (35 वर्ष) पिकअप पर मुजफ्फरपुर से प्लाईवुड लादकर वाराणसी की ओर जा रहा था। इसी बीच अलीनगर निवासी डब्लू चौहान (34 वर्ष) तेल खाली कराकर आजमगढ़ से अपने डिपो अलीनगर लौट रहा था। दोनों वाहन जब कोरी गांव के पास रिंग रोड के ओवरब्रिज पर पहुंचे, तभी आमने-सामने की तेज भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। हादसे में टैंकर चालक और खलासी शिव कुमार (35 वर्ष) भी आंशिक रूप से घायल हुए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन से काट-छांट कर पिकअप चालक को किसी तरह बाहर निकाला। तीनों घायलों को एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां गंभीर रूप से घायल पिकअप चालक का इलाज जारी है। टैंकर चालक और खलासी को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया।

इंजेक्शन लगते ही दो बुखार पीड़ितों की मौत, झोलाछाप डॉक्टर घटना के बाद फरार

कानपुर। बिल्हौर और चौबेपुर में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा बुखार के मरीजों को गलत इंजेक्शन लगाने से दो लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस फरार क्लीनिक संचालकों की तलाश कर रही है। कानपुर में बिल्हौर कस्बे के रहमतनगर और बोझा गांव में दो बुखार पीड़ितों की गलत इंजेक्शन लगाने से मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजन ने ग्रामीणों संग मिलकर झोलाछाप क्लीनिक संचालकों पर गलत इलाज का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराने का प्रयास कर रही थी लेकिन खबर लिखे जाने तक परिजन कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। थानाक्षेत्र के बोझा गांव के दिनेश गौतम (58) को दो दिन से बुखार आ रहा था। परिजन उन्हें भौसाना गांव स्थित मेडिकल स्टोर व क्लीनिक संचालक के पास लेकर गए थे। बड़े भाई अविनाश का आरोप है कि रुपये ऐंठने और बुखार जल्दी उतारने के लिए मेडिकल स्टोर संचालक चमन ने दिनेश को गलत इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद दिनेश की मौत हो गई। झोलाछाप क्लीनिक संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग इसकी जानकारी मिलने पर गांव के लोग भी मौके पर पहुंच गए और परिजन संग हंगामा करने लगे। इसी दौरान क्लीनिक संचालक चमन मौके से भाग गया।

चार महीने पहले सौंप दी गई थी जांच रिपोर्ट, अब तक रिकवरी हुई न कार्रवाई

बस्ती। जिले के कप्तानगंज ब्लॉक के ग्राम पंचायत पटखौली में विकास कार्यों में गड़बड़ी की पुष्टि हुई है। शिकायत की जांच पूरी होने के चार माह बाद भी अभी तक जिम्मेदार न तो रिकवरी करवा सके न ही कार्रवाई किए, इससे शिकायतकर्ता ने फिर से सवाल किया है। बताया गया कि जांच अधिकारियों ने रिपोर्ट अक्तूबर 2025 में ही डीएम को रिपोर्ट सौंप दी थी, मगर अभी तक कार्रवाई में लेटलतीफी की जा रही है। बताया गया कि उस जांच रिपोर्ट के सापेक्ष कार्रवाई नहीं की गई। उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम की अध्यक्षता वाली टीम में सहायक अभियंता आरईडी व जिला लेखा परीक्षा अधिकारी सहकारी समितियों ने डीएम को भेजी रिपोर्ट में शिकायत, उसके सापेक्ष जांच कर आख्या दी गई है। जांच आख्या में कहा कि गांव के विजय कुमार यादव निवासी सेमरा पोस्ट दुबौली दूबे ने शिकायत किया था कि ग्राम पंचायत पटखौली राजा में प्रधान और सचिव ने विकास कार्य में गड़बड़ी की है। इसपर डीएम ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की थी। जांच टीम ने कहा कि शिकायती प्रकरण से संबंधित अभिलेख एवं शिकायती बिंदुओं के संबंध में साक्ष्य सहित उत्तर की मांग सचिव व प्रधान से की गई, परंतु इन लोगों ने वांछित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराया। अपना उत्तर भी प्रस्तुत नहीं किया। बार-बार लिखित रूप से अभिलेख मांगने के बाद सचिव व प्रधान का उत्तर अपर्याप्त है। इस पर जांच टीम ने अक्तूबर 2025 में ग्राम पंचायत पटखौली राजा पहुंच कर स्थलीय जांच किया था। जांच के समय मनोज कुमार दुबे ग्राम प्रधान, उदितांशु शुक्ल सचिव, सतीश दुबे पंचायत सहायक, रामसरन ग्राम रोजगार सेवक एवं विजय कुमार यादव शिकायतकर्ता के साथ अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अदालत के आदेश का स्वागत किया

वाराणसी। प्रयागराज की विशेष पोक्सो अदालत ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरि के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों में पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। शंकराचार्य ने इसे उचित बताते हुए कहा कि जांच और गवाही पूरी होगी,

पूरा मामला झूठा साबित होगा। प्रयागराज की अदालत के मुकदमा दर्ज किए जाने के आदेश का स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मुकदमा दर्ज होगा तो जांच आगे बढ़ेगी। जांच के बाद सब साफ हो जाएगा। सच्चाई सामने आ जाएगी। मामले में देशभर की निगाह है इसलिए जांच और अदालत की प्रक्रिया जल्द निपटाई जानी चाहिए। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मामले की जांच जल्द पूरी की जाए। जांच में जो फर्जी है वो तो फर्जी ही सिद्ध होगा। सनातन के ऊपर आरोप किसी विधर्मी ने नहीं लगाया है। आरोप लगाने वाला हिस्ट्रीशीटर है। उसकी हिस्ट्रीशीट खुली है। थाने की दीवार पर टंगे बोर्ड पर उसका नाम है। उसका काम ही लोगों पर फर्जी मुकदमा करा धन उगाही करना है। ऐसा व्यक्ति रामभद्राचार्य का शिष्य बन जाता है। उनका शिष्य बनने के बाद वह व्यक्ति हम लोगों पर आरोप लगाता है। इससे जाहिर है कि यह आरोप कोई विधर्मी नहीं लगा रहा। रामभद्राचार्य का बल कहां से आता है यह सबको पता है। गोवंशों की हत्या का जो मामला उठाया जा रहा है, उसे बंद कराने के सारे प्रयत्न किए जा रहे हैं। उसी में से एक प्रयत्न यह भी है। मुकदमा दर्ज होगा तभी सही जांच होगी। बिना जांच के मामला बंद होगा तो भी आरोप लगेंगे इसलिए जांच होना जरूरी है आरोप लगाने वाले ने दो हलफनामे लगाए हैं। इनमें एक फर्जी है। यह मामला ऐसे भी हमारे पक्ष में है। चिंता वो करें जिन्होंने फर्जी मुकदमा किया है। हमारे ऊपर जो आक्षेप लगे हैं हम आम आदमी की तरह उसका खुल कर सामना करेंगे। हम आदित्यनाथ नहीं हैं। कोर्ट से यह अपील नहीं करेंगे कि मेरे ऊपर से मुकदमा हटा लीजिए। पहली नजर में हमें न्याय मिलाः शिकायतकर्ता आशुतोष पांडे शिकायत करने वाले आशुतोष पांडे ने कहा कि आज कोर्ट ने अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद जैसे जघन्य अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश उन नाबालिग बच्चों के लिए जारी किया गया है। पहली नजर में हमें न्याय मिला है। अविमुक्तेश्वरानंद छोटे बच्चों के साथ अश्लील हरकतें, यौन अपराध करता था। एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने के साथ ही कोर्ट ने हमारे दिए गए सबूतों की जांच का भी आदेश दिया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ इन धाराओं में एफआईआर दर्ज की मांग एक विशेष पॉक्सो अदालत ने शनिवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश बच्चों के यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए दिया गया है। झूंसी पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी को यह प्राथमिकी दर्ज करनी होगी। पिछले सप्ताह, विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) विनोद कुमार चौरसिया की अदालत ने इस मामले पर अपना निर्णय सुरक्षित रखा था। आशुतोष पांडे और अन्य द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा 173(4) के तहत एक आवेदन दायर किया गया था। अदालत ने साक्ष्यों की जांच की और पीड़ित 'बटुक' कहे जाने वाले बच्चों के बयान दर्ज किए।

भरोसा दिलाने की गारंटी में लेते थे चेक, काम होने के बाद लेता था पेमेंट

कानपुर। मार्कशीट माफिया शैलेंद्र ओझा पोस्ट डेटेड चेक की गारंटी पर फर्जी डिग्री का धंधा चलाता था, जहां काम पूरा होने के बाद ही नकद भुगतान लिया जाता था। इसी अनूठी कार्यशैली और पहले काम, फिर दाम के भरोसे के कारण वह वर्षों तक बिना किसी शिकायत के पुलिस की नजरों से बचा रहा। घर बैठे नौ राज्यों के 14 नामी विश्वविद्यालय की डिग्री और डिप्लोमा महज सात दिन में दिलाने वाला आरोपी शैलेंद्र कुमार ओझा फिलहाल जेल में है। वह इतने साल तक बिना किसी शिकायत और पुलिस की नजर में आए सिर्फ इसलिए खेल करता रहा, क्योंकि उसने और उसके साथियों ने अलग ही कार्यशैली अपना रखी थी। हर कार्य होने के बाद ही राशि ली जाती थी। केवल पोस्ट डेटेट चेक लिया जाता था। रुपये मिलने के बाद ही उसे लौटा देते थे। पुलिस अधिकारियों और एसआईटी सूत्रों ने बताया कि शैलेंद्र और उसके साथियों ने इस धंधे में भरोसा बना लिया था। वह डिग्री और मार्कशीट का सौदा करते समय उन्हें एक निश्चित धनराशि बता देते

थे। इस धनराशि को वह काम होने के बाद देने की बात कहते थे। हालांकि रकम की एक पोस्ट डेटेड चेक ग्राहक से ले ली जाती थी । शर्त यह थी की पोस्ट डेटेड चेक छात्र या उसके पिता के बैंक खाते की होनी चाहिए। छापे के दौरान कई पोस्ट डेटेड चेक मिलीं थीं ग्राहकों को भरोसा दिया जाता था कि काम होने के बाद नकद भुगतान होने पर उन्हें मार्कशीट या डिग्री मिल जाएगी। उस समय उन्हें चेक लौटा दी जाएगी। चेक सिर्फ गारंटी के तौर पर ली जाती थी। इसे देने में ग्राहक भी कोई आपत्ति नहीं करते थे। इसी तरह आरोपी शैलेंद्र भी विश्वविद्यालय के बाबुओं को लाखों रुपये के ब्लैंक चेक देता और बाद में उन्हें नकद भुगतान करता। पुलिस को जूही गौशाला स्थित उसके कार्यालय में छापे के दौरान कई पोस्ट डेटेड चेक मिलीं थीं। पांच टीमों में बंटकर काम करेगी एसआईटी किदवई नगर पुलिस ने मार्कशीट खरीदे बेचे जाने के गिरोह का राजफाश किया है, लेकिन प्रकरण की जांच 14 सदस्यीय एसआईटी को मिली है। यह पांच टीमों में बंटकर जांच करेगी। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने शुक्रवार को एसआईटी का गठन किया। नेतृत्व एडीसीपी साउथ योगेश कुमार करेंगे। टीम में उनके अलावा एक एसीपी और क्राइम ब्रांच के तीन इंस्पेक्टर शामिल है, जबकि छह सब इंस्पेक्टर और तीन सिपाही भी इसमें शामिल है। सदस्यों को नहीं पता थी एक-दूसरे की जिम्मेदारियां मार्कशीट और डिग्रियां बेचने के इस खेल में गिरोह के सभी सदस्यों के लिए शैलेंद्र ने अलग भूमिका तय कर रखी थी। हर व्यक्ति को एक या एक या दो यूनिवर्सिटी व बोर्ड की जिम्मेदारी दी गई थी। कौन किस बाबू से काम कराता है। यह या तो उस व्यक्ति को पता होता या सिर्फ शैलेंद्र को ।

मंडलीय शाक भाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में दिखी उन्नत खेती की तस्वीर

वाराणसी। वाराणसी में शनिवार को शाक-भाजी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मंत्री रविंद्र जायसवाल ने किया। मंत्री के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और खूब सराहा। वाराणसी जिले में उद्यान विभाग की ओर से आयोजित शाकभाजी फल एवं पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन कचहरी के कंपनी बाग में शनिवार को हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन मंत्री रविंद्र जायसवाल ने फीता काटकर किया। इस दौरान मंत्री रविंद्र जायसवाल ने कहा कि फल और फूल के बिना जीवन ही नहीं है। हर काम में फल और फूल की जरूरत पड़ती है। एक बच्चे का जन्म होने से लेकर शादी और फिर अंत तक फल-फूल की जरूरत पड़ती है। इसे उगाने वाले किसानों को सलाम। मंत्री के साथ कमिश्नर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और खूब सराहा। इस दौरान फूलों से बने कलाकृति आकर्षण का केंद्र बने रहे। इस दौरान तरह- तरह के सब्जी, फूलों और फलों की प्रदर्शनी लगाई गई। उद्यान विभाग की ओर से कचहरी स्थित कंपनी बाग में लगे दो दिवसीय मंडलीय शाक-भाजी, फल और पुष्प प्रदर्शनी में शहरवासियों की भीड़ दिनभर लगी रही।

संक्षिप्त खबरें

अमन-चैन और बरकत के लिए रोजेदारों ने की इबादत

नगर बाजार। माह-ए-रमजान के पवित्र पर्व पर अकीदतमंदों ने अल्लाह की इबादत में रोजा रखने का क्रम जारी है। इस दौरान रोजेदार अमन-चैन और बरकत के लिए अल्लाह की इबादत पूरे उत्साह से कर रहे हैं। मुस्लिम समुदाय के विद्वान और उलेमा के अनुसार, रोजा रखना सिर्फ भूख-प्यास का नाम नहीं, बल्कि अल्लाह की तरफ से मिलने वाली सबसे बड़ी नेमतों में से एक है। जिसकी फजीलत कुरआन-ए-पाक और हदीस में बार-बार बयान की गई है। कुरआन-ए-करीम में अल्लाह फरमाते हैं। ऐ ईमान वालों तुम पर रोजे फर्ज किए गए, जैसे तुमसे पहले वालों पर फर्ज किए गए थे। ताकि तुम परहेजगारी हासिल करों। इस आयत से साफ है कि रोजे का असली मकसद इंसान को गुनाहों से बचाना और अल्लाह का डर पैदा करना है। रमजान में रोजा 19 फरवरी को रखा गया। इसके बाद रोजेदार सहरी-इफ्तार, तरावीह और कुरआन तिलावत में मशगूल हैं। मौलाना जकीउल कादरी ने कहा कि कि रोजा अल्लाह के लिए खास है। अल्लाह फरमाते हैं रोजा मेरे लिए है और मैं ही इसका बदला दूंगा। यह हदीस बताती है कि रोजे में कोई दिखावा नहीं हो सकता है। इसलिए इसका अज्र बे-हिसाब है।

छात्रवृत्ति संबंधी पोर्टल फिर खुला

बस्ती। वित्तीय वर्ष 2025-26 में दशमोत्तर (कक्षा 11-12 को छोड़कर) छात्रवृत्ति योजनान्तर्ग वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए समस्त वर्गों के छात्रों के लिए पोर्टल खोला जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव ने बताया कि इसमें छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति भुगतान के लिए संशोधित समय सारिणी निर्गत करते हुए विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेंसी की ओर से वास्तविक छात्रों का सत्यापन व अपात्र छात्र, पाठ्यक्रम व संस्था को ब्लॉक किए जाने के लिए 21 फरवरी से 27 फरवरी तक के निर्देश दिये गए है, जिससे पात्र छात्र-छात्राओं को समय सारिणी में निर्धारित तिथि तक निदेशालय स्तर से छात्रवृत्ति धनराशि के भुगतान की कार्रवाई की जा सकें।

चीनी मिल पर 187वें दिन भी धरना जारी

वाल्टरगंज। गोविंद नगर शुगर मिल गेट पर शनिवार को 187वें दिन भी धरना जारी रहा। धरने को संबोधित करते हुए श्रमिक नेता महेश पांडेय, वीरेंद्र चौधरी, राम लखन शुक्ल ने कहा कि मिल प्रबंधन जिला प्रशासन के निदेशों का पालन नहीं कर रहा है। 21 जनवरी को जिला प्रशासन और मिल के प्रतिनिधियों के साथ धरनारत श्रमिकों से वार्ता के क्रम में आश्वासन दिया गया था कि वेतन सहित अन्य देय के संबंध में पांच प्रतिशत भुगतान एक सप्ताह के अंदर कर दिया जाएगा, मगर अब तक भुगतान नहीं किया गया। इस दौरान अंगद वर्मा, शोविंद चौधरी, राम शरन मौर्य, कमलेश पटेल आदि श्रमिक व किसान मौजूद रहे।

कृषकों को दिया गया फसल बीमा क्षतिपूर्ति

बस्ती। कृषि विज्ञान केंद्र बंजरिया में शनिवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्षतिपूर्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से लखनऊ में वितरित किए जा रहे क्षतिपूर्ति कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडीओ सार्थक अग्रवाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा ने की। कार्यक्रम में जनपद के सभी तहसीलों और विकास खंडों के राजकीय कृषि बीज भंडारों पर भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस मौके पर सिंचाई बंधु के उपाध्यक्ष गजेंद्र त्रिपाठी, जिला कृषि अधिकारी डॉ. बाबू राम मौर्य, जिला कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा, कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष एसके तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विनोद कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेला 26 को

बस्ती। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कटरा में 26 फरवरी को एकदिवसीय रोजगार मेला का आयोजन सुबह 11 बजे से होगा। इस मेले में रोडवेज बस्ती डिपो के एआरएम भर्ती अधिकारी होंगे और संविदा चालक के रिक्त ड्राइवर पद के लिए साक्षात्कार के माध्यम से कैम्पस भर्ती करेंगें। शैक्षिक योग्यता कम से कम कक्षा आठ पास, लंबाई पांच फुट तीन इंच, अनुभव लाइसेंस हैवी वाहन चलाने का न्यूनतम दो वर्ष का। आयु सीमा न्यूनतम 23 वर्ष छह माह से ऊपर होनी चाहिए। मानदेय 2.20 पैसा प्रति किलोमीटर, 6000 से अधिक किलोमीटर एवं 25 दिन के संचालन पर चार हजार का अतिरिक्त प्रोत्साहन देय होगा। साथ ही नाइट भत्ता एवं टारगेट से अधिक आय पर अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। जाबसीकर सेवायोजन पोर्टल पर भी विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

मारपीट के आरोप में तीन पर एफआईआर

बस्ती। लालगंज थानाक्षेत्र के कल्यानपुर गांव में हुई मारपीट के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। गांव की रहने वाली अन्नू त्रिपाठी ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि 11 फरवरी को दोपहर करीब दो बजे कुदरहा बाजार से वे अपने बेटे अभिनव के साथ घर जा रही थी। तभी रंजिशन विपक्षियों ने बेटे को अपशब्द कहा। विरोध करने पर आरोपी अक्षय उर्फ प्रतीक ने घर में घुसकर बेटे को मारापीटा। पुलिस ने इसी गांव के अक्षत उर्फ प्रतीक, कमलदेव और परशुराम पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख की ठगी का आरोप

नगर बाजार (बस्ती)। ग्राम विकास अधिकारी की नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोपी सोनहा थाना क्षेत्र के अखिलेश चौधरी और जयप्रकाश नाम-पता अज्ञात बनाए गए हैं। पुलिस दोनों की तलाश में जुट गई है।नगर थाना क्षेत्र के ग्राम कुसमौर निवासी दिनेश कुमार ने आरोप लगाया है कि उसकी जान-पहचान सोनहा थाना क्षेत्र के ग्राम परसा लगड़ा निवासी अखिलेश चौधरी से थी। बातचीत के दौरान बताया कि उसकी सचिवालय में तैनात जयप्रकाश से है। वह सरकारी नौकरी लगवा देगा। बदले में विभिन्न तिथियों को 15 लाख रुपये ले लिए।

फर्जी फोन-पे से बाइक एजेंसी मालिक से 8.45 लाख रुपये की ठगी

गौर। थाना क्षेत्र के हलुआ बाजार में एक बाइक एजेंसी मालिक ने फर्जी फोन पे के माध्यम से दो लोगों ने 8.45 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया है। मामले में एजेंसी मालिक ने गौर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।ग्राम हलुआ निवासी नीलम वर्मा पुत्री राम सुरेश ने शनिवार को गौर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि हलुआ बाजार में उसकी बाइक एजेंसी है, वहां गांव के दो लोग हमेशा आते-जाते हैं। दिसंबर 2025 में वह एजेंसी से एक नई बाइक खरीद कर ले गए। फोन-पे के माध्यम से भुगतान किया, मगर रकम एजेंसी के खाते में नहीं आया। उस समय लेनदेन व अन्य कार्यों को देख रही नीलम को पैसा भेजने का स्क्रीन शॉर्ट दिखा दिए। वह व्यक्ति दोबारा एक अन्य शख्स को गाड़ी खरीदने का भुगतान किया और फर्जी फोन-पे का स्क्रीन शॉर्ट दिखाकर चला गया। इसके बाद वह व्यक्ति कई बार नगद रुपये ले लेता था और खाते में रकम भेजने का फोन पे का फर्जी स्क्रीन शॉर्ट दिखा देता था।

प्रधानमंत्री मोदी ने की क्रिकेट पर चर्चा, टी20 विश्वकप में चमके भारतीय मूल के खिलाड़ियों को सराहा

नई दिल्ली। मन की बात के 131वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्व कप में हिस्सा ले रहे भारतीय मूल के खिलाड़ियों की सराहना की। अमेरिका, कनाडा और ओमान की टीमों में खेल रहे खिलाड़ियों को उन्होंने भारतीय प्रतिभा का वैश्विक प्रतीक बताया और युवाओं को खेल से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 131वें एपिसोड में टी20 विश्व कप 2026 का विशेष उल्लेख किया। इस दौरान उन्होंने उन भारतीय मूल के खिलाड़ियों की खुलकर सराहना की, जो अमेरिका, कनाडा और ओमान जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। भारतीय मूल के खिलाड़ियों पर गर्व पीएम मोदी ने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह संस्कृतियों और देशों को जोड़ने का माध्यम भी बनता है। उन्होंने खास तौर पर उन खिलाड़ियों का जिक्र किया, जिनकी जड़ें भारत से जुड़ी हैं और जो विदेशों की राष्ट्रीय टीमों में खेलते हुए भी भारतीय संस्कृति और मूल्यों से प्रेरणा लेते हैं। कनाडा की टीम से जुड़े दिलप्रीत बाजवा, हर्ष ठाकेर और नवनीत धालीवाल, अमेरिका की टीम से जुड़े सौरभ नेत्रवलकर, हरमीत सिंह और मोनांक पटेल का नाम लेते हुए

बहुजन मिशन को आगे बढ़ाना ही लक्ष्य : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने कहा कि देश भर में बहुजन समाज के लोग बसपा और उसके नेतृत्व से उम्मीद लगाए हुए हैं। बाबा साहेब के संविधान और उनके मानवतावादी विचारों को मानने वाले लोग सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के लिए बसपा को समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा गरीब, किसान और बहुजन समाज के हितों के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी इसी दिशा में कार्य करती रहेगी। मायावती की अध्यक्षता में रविवार को माल एवेन्यू स्थित पार्टी के केंद्रीय कैंप कार्यालय में आयोजित ऑल इंडिया बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत बनाने, सर्वसमाज में जनाधार बढ़ाने और देश के विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक मुद्दों पर विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही संसद में हाल के टकराव और गतिरोध सहित जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए बेहतर राजनीतिक और सामाजिक माहौल की आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होने बैठक में राज्यवार प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि बसपा का मिशन डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान के आंदोलन को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे पार्टी मजबूत होती है, विरोधियों के षड्यंत्र भी बढ़ते हैं, लेकिन पार्टी कार्यकताओं को इन चुनौतियों का डटकर सामना करते हुए सत्ता प्राप्ति के लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना होगा। मायावती ने अन्य राजनीतिक दलों पर बड़े पूंजीपतियों के प्रभाव में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बसपा अपने समर्थकों के सहयोग से चलने वाली पार्टी है और संविधान के मूल उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विरोधी दलों की नीतियों और कार्यशैली के कारण उनकी विश्वसनीयता कम हो रही है, जबकि बीएसपी अपने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर चलते हुए लोगों के बीच नई उम्मीद के रूप में उभर रही है। बैठक में उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ बहुजन समाज के हितों के लिए संघर्ष जारी रखें और पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करें। साथ ही उन्होंने ऐसे लोगों से सावधान रहने की भी सलाह दी, जो व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण बहुजन आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। इसके अलावा मायावती ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों, विशेषकर अमेरिका के साथ होने वाली व्यापारिक डील को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को देश के किसानों और बहुजन समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले करने चाहिए, ताकि उनके अधिकार और भविष्य सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि बीएसपी का उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के मिशन को आगे बढ़ाना है और पार्टी इस लक्ष्य को हर हाल में हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजधानी में संजू बाबा बोले, ओए मामू, बात सुन,पौधा लगाने का, पानी बचाने का

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ में रविवार को मुंबई से संजू बाबा (संजय दत्त) पहुंचे। उन्होंने लखनऊ के युवाओं से कहा ओए मामू,

बात सुन। जितने भी मामू यहां खड़े हैं न? सब बात सुनने का। जिंदगी में दो काम करने का। एक- पौधा लगाने का, दूसरा-पानी बचाने का। अगर ये नहीं किया तो.. नहीं किया तो खुद की वाट लगाने का। एक्टर संजय दत्त ने सरोजनी नगर विधायक डॉक्टर राजेश्वर सिंह के बुलावे पर लखनऊ पहुंचे हैं। यहां उन्होंने पर्यावरण प्रेमियों को सम्मानित किया। आशियान के बंगला बाजार में इसके लिए नेट जीरो कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पहुंचने के लिए संजय दत्त ने 1 किलोमीटर का रोड शो किया। रोड के शो के लिए संजय दत्त जैसे ही खुली जीप पर सवार हुए तो फैंस बेकाबू हो गए। उन्हें संभालने के लिए पुलिस का पसीना छूट गया। पूरे रास्ते संजय दत्त पर बारिश करते रहे। सड़क किनारे घरों की छतों से भी फैंस ने गुलाब बरसाए। संजय दत्त ने हाथ हिलाकर सबका अभिवादन स्वीकार किया। संजय दत्त ने 21 फरवरी को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह के साथ की तस्वीर शेयर की थी। उसके साथ लिखा था- सरोजनीनगर में राजेश्वर भैया के साथ एक विशेष पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के लिए अपने पसंदीदा शहर लखनऊ में आकर मुझे बहुत खुशी होगी। लखनऊ और यहां के अद्भुत लोगों ने हमेशा मुझे अपार प्रेम और स्नेह दिया है। यह रिश्ता मेरे दिल के बेहद करीब है। कल आप सभी से मिलने का बेसब्री से इंतजार रहेगा।

राजधानी में जुटे पशुप्रेमी, 10 नामी एनिमल एक्टिविस्ट भी पहुंचे,पिंजरा तोड़ रैली निकाली

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ में आज पशुओं के समर्थन में पिंजरा तोड़ रैली का आयोजन किया गया। रैली 1090 चौराहे से शुरू होकर लोहिया पार्क तक निकाली गई। स्ट्रीट डॉग के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरोध में लखनऊ में पशुप्रेमी जुटे हैं। इनके साथ देश के 10 नामी एक्टिविस्ट भी पहुंचे हैं। रैली के जरिए कार्यकर्ता इस आदेश पर संवैधानिक और विधिक आधारों पर पुनर्विचार की मांग उठा रहे हैं। रैली में हाथों में स्लोगन और कॉमेंट लिखी तख्तियां लेकर शामिल हुए। कई के टीशर्ट पर लिखा था- जीवों पर दया करना ही तीर्थ और पूजा करना है। रैली में 1000 लोग शामिल थे। रैली में पशु-अधिकार कार्यकर्ता अंबिका शुक्ला, सार्वजनिक नीति विशेषज्ञ और नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित गौरी मौलेखी, तेलंगाना में पशु-मृत्यु मामलों पर सक्रिय संक्षय चब्बर, वरिष्ठ अधिवक्ता पर्सिबल बिलिमोरिया, सामाजिक कार्यकर्ता वर्षा वर्मा, ट्रांसजेंडर अधिकार कार्यकर्ता पायल सिंह, उद्यमी और वक्ता गौरव प्रकाश, पैरालंपियन शटलर अबू हुबैदा, ह्यगाइड समाज कल्याण संस्थानह्ल की संस्थापक डॉ. इंदु सुभाष, शिक्षाविद डॉ. मल्लिका सक्सेना, रक्तदान अभियानों से जुड़े सचिन श्रीवास्तव, नई रोशनी की संस्थापक सोनिया सिंह और मानवाधिकार विशेषज्ञ रेखा भूषण भी शामिल हुए। मेनका गांधी की बहन अंबिका शुक्ला ने बताया कि कोर्ट को आदेश वापस लेना चाहिए। हिंदुस्तान में हम ठीक से अनाथालय, विधवा आश्रम नहीं चला सकते हैं। वैसे क्या पशुओं के लिए शेल्टर होम चला पाएंगे?

नगर विकास मंत्री ने देखी काशी की सफाई व्यवस्था

लखनऊ/वाराणसी,। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने प्रातः काल काशी के शिवपुर, सुषमा नगर कॉलोनी, गिलट बाजार, लक्ष्मणपुर एवं रघुवंशी नगर में कई किलोमीटर तक पैदल चलकर प्रातःकालीन सफाई व्यवस्था एवं डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन कार्य का निरीक्षण किया। श्री शर्मा ने गलियों और मुख्य मार्गों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड में निर्धारित समय पर कचरा उठान किया जाए तथा कहीं भी कूड़े का ढेर दिखाई न दे।स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर सफाई व्यवस्था के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कूड़ा इधर-उधर न फेंकें और डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था का पूर्ण सहयोग करें। स्वच्छ शहर का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है। श्री शर्मा ने सफाई मित्रों से मुलाकात कर उनके कार्य की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिगरा क्षेत्र में सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता एवं समय-सीमा की समीक्षा करते हुए कुछ स्थानों पर शेष रह गए इंटरलॉकिंग कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सरकार का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसके लिए निरंतर निरीक्षण एवं जवाबदेही आवश्यक है। श्री शर्मा ने नगर निगम कार्यालय के समीप वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

बौद्ध सर्किट लिख रहा पर्यटन विकास का नया अध्याय: जयवीर

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हुए बौद्ध आस्था और विरासत के केंद्र के रूप में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 2025 में प्रदेश ने बौद्ध सर्किट के जरिए दुनिया भर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करते हुए 82 लाख आगंतुकों का स्वागत किया, जिनमें 4.40 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। विशेष रूप से कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन के प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरकर सामने आया, जहां विदेशी श्रद्धालुओं की सर्वाधिक आमद दर्ज की गई। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश आज वैश्विक बौद्ध आस्था का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। दुनिया भर के बौद्ध धर्मावलंबी अपनी ह्यबोधि यात्राह्ल की शुरूआत उत्तर प्रदेश से करने को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे राज्य में इनबाउंड टूरिज्म में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। सारनाथ, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, संकिसा, कौशांबी और कुशीनगर जैसे भगवान बुद्ध के जीवन और संदेश से जुड़े पवित्र स्थलों के भ्रमण को श्रद्धालु जीवन की पवित्र यात्रा मानते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश का पर्यटन क्षेत्र निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेश के छह पवित्र बौद्ध स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में वर्ष दर वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 2025 में इन स्थलों पर लगभग 82 लाख पर्यटकों का आगमन हुआ, जिनमें 4.40 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। वर्ष 2024 में कुल 61 लाख से अधिक पर्यटक राज्य के बौद्ध स्थलों पर पहुंचे, जिनमें 3.50 लाख से अधिक विदेशी आगंतुक थे। वहीं वर्ष 2023 में करीब 47 लाख पर्यटकों ने प्रदेश के बौद्ध सर्किट का भ्रमण किया, जिनमें 2.50 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। 2022 में 22.40 लाख से अधिक पर्यटक बौद्ध स्थलों पर आए, जिनमें 48 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक थे। पर्यटन विभाग द्वारा इनबाउंड पर्यटन को गति देने के लिए अपनाई गई बहुआयामी रणनीति अब ठोस परिणाम देने लगी है। इसी प्रयास का असर है कि प्रदेश के बौद्ध सर्किट, विशेषकर भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर, विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद बनकर उभरी है। 2025 में 2.90 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक आगमन ऐतिहासिक स्थल पर दर्ज किया गया, जो बीते वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दशार्ता है। 2024 में 2.51 लाख, 2023 में 2.14 लाख तथा 2022 में 41 हजार से अधिक विदेशी पर्यटकों ने कुशीनगर की पवित्र धरती पर पहुंचकर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। केंद्रीय बजट 2026-27 में भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ को देश के 15 सबसे प्रमुख पुरातात्विक स्थलों में शामिल कर एक एक्सपेरिमेंटल कल्चर डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने का ऐलान किया गया है। अगस्त माह में 200 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश आएगा। सारनाथ और कुशीनगर में जापानी बौद्ध संस्थानों का होना भारत जापान के बीच दशकों से चले आ रहे आध्यात्मिक संबंधों का प्रमाण है। बौद्ध धर्म मानने वाले अन्य देशों- श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, लाओस पीडीआर, वियतनाम एवं दक्षिण कोरिया जैसे देशों से प्रति वर्ष बड़ी संख्या में बौद्ध पर्यटक उत्तर प्रदेश आते हैं।

लोकबंधु अस्पताल में बनेगा 50 बेड का ट्रॉमा सेंटर

लखनऊ,: कानपुर रोड स्थित लोकबंधु अस्पताल में घायलों के बेहतर उपचार के लिए 50 बेड का अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। अस्पताल प्रशासन ने प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेज दिया है और शीघ्र मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई है। वर्तमान में अस्पताल में इमरजेंसी सेवाएं संचालित हैं, लेकिन ट्रॉमा सेंटर बनने से सड़क दुर्घटनाओं और अन्य गंभीर हादसों में घायल मरीजों को त्वरित व विशेषज्ञ उपचार मिल सकेगा। प्रस्तावित सेंटर में आईसीयू और वेंटिलेटर के साथ मेजर व माइनर ऑपरेशन थिएटर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही 24 घंटे सीटी स्कैन, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।प्रदेश सरकार ट्रॉमा सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है, ताकि गोल्डन ऑवर में मरीजों को समुचित इलाज मिल सके। केंद्र सरकार की कैशलेस ट्रीटमेंट ऑफ रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स स्कीम-2025 के तहत सड़क हादसों में घायल मरीजों को मुफ्त और कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। ट्रॉमा सेंटर के लिए दो विकल्प प्रस्तावित हैं, मौजूदा इमरजेंसी ब्लॉक का उन्नयन या अस्पताल परिसर में खाली भूमि पर नया भवन निर्माण। मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सिंगापुर और जापान के चार दिवसीय दौरे पर रवाना

लखनऊ,। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों के उत्तर प्रदेश को मैन्युफैक्चरिंग हब ऑफ इंडिया बनाने के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंगापुर और जापान के चार दिवसीय दौरे पर आज रवाना होंगे। 2017 की म्यांमार यात्रा के बाद मुख्यमंत्री का पहला विदेशी दौरा होगा, जिसे प्रदेश की निवेश कूटनीति और औद्योगिक विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 23-24 फरवरी को सिंगापुर और 25-26 फरवरी को जापान प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री 33 वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर प्रदेश में निवेश, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार के नए अवसरों पर चर्चा करेंगे। यात्रा की खास बात होगी कि मुख्यमंत्री जी-टू-बी गवर्नमेंट टू बिजनेस बैठकों और राउंड टेबल मीटिंग के जरिए निवेशकों से सीधे संवाद करेंगे। यूपी के सीईओ की तरह वे निवेशकों से प्रदेश के औद्योगिक रोडमैप, नीति स्थिरता और कारोबारी संभावनाओं पर स्पष्ट और परिणाम केंद्रित बातचीत करेंगे। प्रवासी भारतीयों और यूपी वासियों को संबोधित करने के साथ वे स्कूली बच्चों से संवाद करेंगे और प्रदेश की विकास यात्रा साझा करेंगे।सरकार का मानना है कि 25 करोड़ नागरिकों की शक्ति उत्तर प्रदेश को उत्पादन और उपभोग दोनों का केंद्र बनाती है।

रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में वृह्नद रक्तदान शिविर 26 को

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रस्तोगी करेंगे शिविर का उद्घाटन

लखनऊ,। खालाबाजार स्थित रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में बृहस्पतिवार 26 फरवरी 2026 को लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज की ओर से रक्त दान शिविर का आयोजन होना है। जिसको मार्ग दर्शन देने एवं संचालित करने के लिए किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) से विशेषज्ञों की टीम आएगी। शिविर में रक्तदान करने के लिए लगभग 60 लोगों ने अपना पंजीकरण कराया। घ्स्तोगी स्तोगी समाज के संरक्षक हरी जीवन रस्तोगी, समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव रस्तोगी एवं समाज के महामंत्री प्रदीप रस्तोगी ने बताया कि शिविर का उद्घाटन अखिल भारतीय हरिशचन्द्र वंशीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रस्तोगी करेंगे। उन्होंने बताया कि रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के संक्षिप्त परिचय से कृपया अवगत हो लें। यह गत 17 वर्षों से समाज को निःशुल्क चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कर रहा है। प्रतिदिन योग्य चिकित्सकों द्वारा लगभग 300 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें परामर्श दिया जाता है। एलोपैथिक दवाएं 3 दिन की एवं होम्योपैथिक दवाएं 7 दिन की निशुल्क दी जाती हैं। यहां एक ही छत के नीचे एलोपैथिक, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक, फीजियोथेरेपी, न्योरोपैथिक, नेत्र एवं दांत संबंधी चिकित्सा उपलब्ध है। यहां पर डिजिटल एक्स-रे एवं ईसीजी की सुविधा भी उपलब्ध है। यहां पर प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को विशाल निःशुल्क चिकित्सीय शिविर आयोजित होता है, जिसमें विशेषज्ञ डाक्टर मरीजों का परीक्षण कर परामर्श देते हैं। संस्था के संदर्भ में-लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज दीर्घ काल से शैक्षणिक, स्वास्थ्य, सामाजिक, साहित्यिक एवं धार्मिक कार्यों में निष्ठा से योगदान दे रहा है।

ताजा खबर...

लखनऊ कोर्ट में फर्जी वकालत करते पकड़ा गया युवक

लखनऊ: सिविल कोर्ट परिसर में युवक वकील की वेशभूषा में मुकदमे की पैरवी करते पकड़ा गया है। अधिवक्ताओं को शक होने पर पूछताछ की गई तो मामला फजीर्वाड़े का निकला। सूचना मिलते ही वजीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना वजीरगंज में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। वकील की ड्रेस में पहुंचा था तीसरी मंजिल घटना वजीरगंज थाना क्षेत्र स्थित सिविल कोर्ट की है। जानकारी के मुताबिक, 23 वर्षीय गुफरान, निवासी तोपखाना बाजार थाना कैंट, कोर्ट की तीसरी मंजिल पर एक मुकदमे में वकील की वेशभूषा पहनकर पहुंचा था। वह खुद को अधिवक्ता बताकर केस की पैरवी कर रहा था। कोर्ट परिसर में मौजूद कुछ अधिवक्ताओं को उसके हाव-भाव और व्यवहार पर संदेह हुआ। उन्होंने उससे बार काउंसिल रजिस्ट्रेशन और संबंधित दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की। संतोषजनक जवाब न मिलने पर मामला संदिग्ध लगने लगा। अधिवक्ताओं की सूचना पर पहुंची पुलिस अधिवक्ताओं ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। वजीरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में वह किसी भी मान्यता प्राप्त बार काउंसिल में पंजीकृत अधिवक्ता नहीं पाया गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वह पहले भी इस तरह से कोर्ट में पेश हुआ है या नहीं और उसके पीछे कोई संगठित गिरोह तो सक्रिय नहीं है।

लखनऊ पुलिस ने लुटेरे को दौड़ाकर मारी गोली

लखनऊ: लखनऊ के गाजीपुर इलाके में पुलिस और 2 लुटेरों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दौड़ाकर उन्हें गोली मारी। 1 लुटेरे के पैर में गोली लगी। उसे साथी समेत दबोच लिया। उनके पास से लूटी हुई चेन के 2 टुकड़े, चोरी की स्कूटी, 2 तमंचा, 1 खोखा और 3 कारतूस बरामद हुए। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया- गोली लगने से घायल लुटेरे की पहचान मोहम्मद रानू ऊर्फ फराज और मोहम्मद रिजवान के रूप में हुई। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो लुटेरों ने फायरिंग की शशांक सिंह ने बताया- 21 फरवरी, शनिवार देर रात बंधा रोड मजार के पास गाजीपुर थाना पुलिस और लखनऊ पूर्वी जोन की क्राइम ब्रांच की टीम संयुक्त रूप से चेकिंग कर रही थी। इस दौरान कल्याण अपार्टमेंट की तरफ से शक्ति न गर ढाल की ओर स्कूटी सवार 2 लुटेरे जा रहे थे। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। दोनों भागने लगे। इस दौरान बैलेंस बिगड़ने से गिर गए। पीछे बैठे लुटेरे ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसमें 1 लुटेरे के पैर में गोली लगी। वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे साथी समेत दबोच लिया। घायल लुटेरों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुजुर्ग महिला से लूटी थी चेन शशांक सिंह ने बताया- दोनों लुटेरों से पूछताछ की गई। दोनों ने बताया कि इंदिरा नगर की बुजुर्ग महिला विमला से 21 फरवरी को शालीमार गोल चौराहा के पास सोने की चेन लूटी थी। उनके पास से बरामद चेन के टुकड़े उसी का हिस्सा है। बरामद चोरी की स्कूटी से ही लूट की थी।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती की, नौकरी का झांसा देकर ठगा

लखनऊ : लखनऊ के मड़ियांव इलाके में रहने वाली एक युवती से सोशल मीडिया पर दोस्ती कर जालसाज ने नकदी और जेवर ऐंठे लिए। जालसाजों ने नौकरी दिलवाने के नाम पर झांसे में लिया। ठगी करने करने के लिए आरोपियों ने मृत व्यक्ति की आईडी का इस्तेमाल किया। मामले का खुलासा होने पर सुलह करने का दबाव बनाने लगे। उनकी बात न मानने पर अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देने लगे। की एक युवक से इंस्टाग्राम पर बातचीत शुरू हुई, जिसने नौकरी दिलाने का लालच देकर उससे रुपये और सोने के जेवर ठग लिए। आधारखेड़ा फैजुल्लागंज निवासी पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी बेटी की एक युवक से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई। युवक "रँ८0606 आईडी से बात करता था। बातचीत के दौरान युवक ने नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इसके बाद बेटी को बहला-फुसलाकर कई बार अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर कराए। इतना ही नहीं डराकर-धमकाकर कैसरबाग से हरदोई जाने वाली बसों से सोने की तीन चेन, दो अंगूठियां, छह झुमकी, एक टॉप और दो सोने के लॉकेट भी मंगवा लिए। कई लोगों से पूछने के बाद सच्चाई पता चली घटना की जानकारी होने पर पिता ने जिन अकाउंट में पैसा दिया उनका पता लगाया। इसके बाद उन्नाव निवासी कुंडली देवी से संपर्क हुआ। उनके खाते में भी रुपए ट्रांसफर हुए थे। कुंडली देवी ने बताया कि वह लड़के को जानती है और मिलवा देगी। इसके अलावा हरदोई के शाहाबाद रोड स्थित जुड़ा गांव निवासी राधा पासी से संपर्क किया। उसने बताया कि इंस्टाग्राम आईडी असल में संदीप पांडेय उर्फ संजीव पांडेय पुत्र मुनीम पांडेय और सोनू सरदार पुत्र अजीत सिंह चला रहे हैं। जिस ह्यलक्ष्यह्ल नाम के युवक की आईडी है उसकी मौत हो चुकी है।

लखनऊ में सामान्य से अधिक रहेगा तापमान

लखनऊ : लखनऊ में सुबह से मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। हवाएं चल रही हैं। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने से अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.7 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक रहा। शुक्रवार को अधिकतम पारा 30.3 डिग्री दर्ज किया गया था। न्यूनतम तापमान 15 डिग्री था। सामान्य से अधिक रहेगा पारा मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास बना रहेगा। सुबह से तेज धूप निकली हुई है। दिन में पारा सामान्य से अधिक रहेगा। हवा की वजह से धूल उड़ रही है। आवाजाही करने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सम्पादकीय

भारत और चाबहार, एक रणनीतिक वापसी

मनीष तिवारी

दशकों तक, चाबहार परियोजना ने पश्चिम एशिया और मध्य एशिया में भारत के प्रभाव के सबसे ठोस धुरी होने का वादा किया-एक ऐसा नागरिक प्रवेश द्वार, जो पाकिस्तान को दरकिनार कर सके, नई दिल्ली को स्थल-रुद्ध अफगानिस्तान से जोड़ सके और चीन की समुद्री पहुंच को संतुलित करने के लिए एक व्यापक ह्यनैकलेस ऑफ डायमंड्सह्न रणनीति को सहारा दे सके। लेकिन भारत और ईरान के बीच जो एक व्यावहारिक सांझेदारी के रूप में शुरू हुआ था-जिसे अक्सर सभ्यतागत संबंधों और रणनीतिक अभिसरण द्वारा आकार दिए गए ह्यहर मौसम केह्न रिश्ते के रूप में वर्णित किया जाता था-वह अब तीव्र दबाव में है। 2000 के दशक की शुरूआत में, भारत ने अफगानिस्तान और उससे आगे पहुंचने के लिए पाकिस्तान के आसपास के रास्तों की तलाश शुरू की। ओमान की खाड़ी पर ईरान की स्थिति के माध्यम से एक महत्वपूर्ण अवसर मिला। समय के साथ, भारत और ईरान ने चाबहार बंदरगाह पर शाहिद बेहिश्ती टर्मिनल के विकास के लिए एक सहकारी ढांचा विकसित किया। 2016 में एक बड़ा बदलाव आया, जब भारत ने ईरान और अफगानिस्तान के साथ एक समझौता किया-जिसका उद्देश्य बंदरगाह के साथ-साथ उससे जुड़े परिवहन मार्गों का निर्माण करना था। भारत की ओर से भारी धन का प्रवाह हुआ, जिसमें केवल बंदरगाह के उन्नयन के लिए लगभग 120 मिलियन डॉलर खर्च किए गए, साथ ही सीमा पार बुनियादी ढांचे के काम के लिए अधिक ऋण उपकरण भी दिए गए। बाहरी फर्मों की बजाय, ह्यइंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेडह्न जैसी भारतीय संस्थाओं ने टर्मिनल चलाने का जिम्मा संभाला। फिर भी, वे महत्वाकांक्षाएं आज संदेह के घने कोहरे में तैर रही हैं। अब जबकि अमरीकी प्रतिबंध और भी मजबूत होकर वापस आ गए हैं, भारत को ईरान के साथ व्यापार करने के बारे में कठिन विकल्पों का सामना करना पड़ रहा है, जहां जोखिम अब नाजुक राजनीति से टकरा रहे हैं। आर्थिक पहलुओं से परे, रणनीतिक दृष्टिकोण से भी चाबहार भारत के लिए महत्वपूर्ण है। चीन ह्यबैल्ट एंड रोड इनिशिएटिवह्न (बी.आर.आई.) और ह्यस्ट्रिंग ऑफ पर्ल्सह्न के माध्यम से बंदरगाहों और बुनियादी ढांचे का निर्माण करके अपना प्रभाव बढ़ा रहा है-जिसमें दक्षिण चीन सागर से अरब सागर तक के मार्ग पर बंदरगाह शामिल हैं। इन घटनाक्रमों पर भारत की प्रतिक्रिया अपना स्वयं का ह्यनैकलेस ऑफ डायमंड्सह्न बनाना है जो भारत को रणनीतिक भागीदार और ओमान से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों तक हिंद महासागर के सभी क्षेत्रों में ह्यपहुंचह्न प्रदान करेगा। इस परिप्रेक्ष्य में, चाबहार पश्चिमी हिंद महासागर में भारत की उपस्थिति को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साथ ही पाकिस्तान में ग्वादर के माध्यम से चीन की पहुंच को सीमित करने का प्रयास भी करता है। हालांकि भारत ने पहले बंदरगाह पर काम जारी रखने के लिए सीमित छूट सुरक्षित कर ली थी, क्योंकि अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मौन समर्थन देने में इसकी भूमिका थी। हालांकि, वर्तमान भू-राजनीतिक माहौल ने उन विकल्पों को संकुचित कर दिया है। रिपोर्टें बताती हैं कि चाबहार परियोजना के लिए छूट केवल 26 अप्रैल, 2026 तक ही वैध हो सकती है, जिससे भारत के लिए समय सीमित हो गया है। 2026-27 का केंद्रीय बजट इस तनाव का प्रतिनिधित्व करता प्रतीत होता है- चाबहार के लिए कोई आबंटन न होना संकोच और डरपोकपन का एक मजबूत संकेत भेजता है, जो एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में जगह छोडने जैसा है जिसके भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर प्रभाव पड़ेंगे। चाबहार परियोजना से पीछे हटना या अपनी प्रतिबद्धता को ढीला करना भारत की दीर्घकालिक क्षेत्रीय रणनीति और एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में उसकी प्रतिष्ठा, दोनों को कमजोर करता है। चाबहार से पीछे हटने के गंभीर परिणाम होंगे। सबसे पहले, ईरानी और नजदीकी रणनीतिक स्थानों पर भारत की पकड़ कमजोर हो जाएगी। वित्तीय तनाव से जूझ रहे तेहरान के बीजिंग और मॉस्को पर अधिक निर्भर होने की संभावना बढ़ जाएगी-जहां पैसा और समर्थन आसानी से मिलता है-जिससे नई दिल्ली की भूमिका कम प्रभावी हो जाएगी। भारत अपनी किसी भी प्रमुख रणनीतिक संपत्ति को खोना बर्दाश्त नहीं कर सकता, क्योंकि भू-राजनीतिक परिदृश्य अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। चाबहार बंदरगाह भू-राजनीति के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र से भारत के पीछे हटने का एक उदाहरण है।

ए.आई. के लिए हां, लेकिन कुछ डर भी

पी. चिदम्बरम

आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस (ए.आई.) आ चुका है। यह सच है कि ए.आई. मानवीय क्षमताओं और उत्पादकता को कई गुना बढ़ा देगा। भारत के पास मानव संसाधनों का एक विशाल और बढ़ता हुआ

खजाना है (कम से कम 2050 तक)। हालांकि, इसकी गुणवत्ता विकसित देशों के मानव संसाधनों से काफी भिन्न है। एक विकसित देश में, व्यावहारिक रूप से हर कोई स्कूली शिक्षा प्राप्त है और एक बड़ा हिस्सा कॉलेज-शिक्षित है। वहां जीवन भर सीखने और नए कौशल हासिल करने का अवसर है। भारत में, ह्यजनसांख्यिकीय लाभांशह्न अपने साथ जनसांख्यिकीय बोझ भी लेकर आता है। जबकि प्राथमिक स्तर पर स्कूली नामांकन बहुत अधिक है लेकिन उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर नामांकन में हर चरण में गिरावट आती है। उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जी.ई.आर.) 45-50 प्रतिशत के बीच है। कॉलेज में नामांकित अधिकांश छात्र ऐसी स्नातक डिग्री प्राप्त करते हैं जो उन्हें ह्यकुशलह्न या ह्यरोजगार योग्यह्न नहीं बनाती है-यही मुख्य कारण है कि युवा पुरुषों और महिलाओं के लिए उपयुक्त नौकरी खोजना एक कठिन कार्य है। मैंने श्री डारियो अमोदेई (सी.ई.ओ., एंथ्रोपिक) के कॉपीराइट वाले 38 पन्नों के निबंध ह्यद एडोलेसेंस ऑफ टैक्नोलॉजीह्न का सारांश पढ़ा है। आर्थिक व्यवधान पर, वह कहते हैं कि ए.आई. श्रम बाजारों को ह्यअभूतपूर्व गति से और व्यापक व्यावसायिक श्रेणियों में बाधित कर सकता है, जिससे संभावित रूप से नौकरियों का एक बड़ा हिस्सा विस्थापित हो सकता है, विशेष रूप से निकट भविष्य में व्हाइट-कॉलर काम।ह्न यह डरावना है। भारत में एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि ए.आई. जाति को पहचानता है। यदि मनुष्यों ने ए.आई. को जाति-पूर्वाग्रह सिखाया है, तो यह और भी डरावना है। माननीय प्रधानमंत्री सही हैं कि ए.आई. भविष्य और भाग्य के द्वार खोलेगा। लेकिन यह डर भी है कि नौकरियां चली जाएंगी। माइक्रोसॉफ्ट के सी.ई.ओ. ने कहा कि व्हाइट कॉलर नौकरियों में कई कार्यों को स्वचालित किया जाएगा। कंपनी ने 2025 में हजारों नौकरियां खत्म कर दीं। टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज ने 2025 में घोषणा की कि वह पुनर्गठन अभ्यास के हिस्से के रूप में 12,000 से अधिक कर्मचारियों को ह्यछोड़ह्न देगी। भारत में वर्तमान ह्यआधिकारिकह्न बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत है लेकिन हम जानते हैं कि यह अधिक है। युवा बेरोजगारी दर 15 प्रतिशत है। लगभग 55 प्रतिशत ह्यनियोजितह्न लोग स्व-रोजगार या आकस्मिक श्रम में हैं। समृद्ध क्षेत्रों में, कृषि कार्य पहले से ही मशीनीकृत हैं। यदि शहरी ब्लू-कॉलर नौकरियां भी दुर्लभ हो जाती हैं और बेरोजगारी सूचना प्रौद्योगिकी जैसे ह्यकुशलह्न क्षेत्रों में शिक्षित युवाओं तक फैल जाती है, तो स्थिति विस्फोटक हो जाएगी।

जहां तक मुझे पता है, भारत सहित दुनिया अभी तक समाधानों के साथ तैयार नहीं है। मुख्य आध्थक सलाहकार ने उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (जनसांख्यिकीय गिरावट का सामना करने वाले, जहां ए.आई. एक प्लस हो सकता है) और विकासशील देशों (जहां ए.आई. राज्य की क्षमता के लिए एक ह्यस्ट्रैस टैस्टह्न होगा) पर ए.आई. के प्रभाव के बीच अंतर किया। स्वाभाविक रूप से, समाधान अलग होंगे। उनका समाधान यह है कि ह्यनिरंतर निष्पादन भारत को पहला बड़ा समाज बनने में मदद कर सकता है... जो बड़े पैमाने पर रोजगार के साथ तकनीकी अपनाने को संरेखित करता है।ह्न काश समाधान इतना सरल होता। प्रौद्योगिकी को लगातार अपनाने के शुरूआती परिणाम नौकरियों में कमी के रूप में सामने आए हैं, कम से कम भारतीय कारखानों में। लेकिन जैसा कि ह्यइकोनॉमिस्टह्न कहता है, ह्यआविष्कार और प्रसारह्न के बीच समय है और उन कठिन उपायों को करने के लिए भी, जो तकनीक अपनाने के प्रभाव को अवशोषित करेंगे। उदाहरण के लिए, नौकरी चाहने वालों और नौकरियों की विशाल संख्या को देखते हुए, भारत को तैयार रहना चाहिए-यह पहचानने के लिए विकसित देशों के विपरीत, भारत को उन युवाओं के लिए विभिन्न प्रकार की नौकरियां पैदा करने की आवश्यकता है, जो स्कूल के उच्च प्राथमिक, माध्यमिक या उच्चतर माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ सकते हैंय

-गैर-विज्ञान विषयों में कई ह्यपासह्न पाठ्यक्रमों को बंद करना और छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा, एस.टी.ई.एम. या कौशल पाठ्यक्रमों की ओर मोडनाय-शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण प्रबंधन में बड़े पैमाने पर निवेश करनाय-स्थानीयक्षेत्रीय बाजार विकसित करना जो स्थानीय या क्षेत्रीय बैंकों द्वारा सम्पगस्थित गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन और उपभोग करेंगे, न कि केवल बड़े व्यवसाय, बड़े बाजार, बड़ी चेन और बड़े बैंकों के प्रति जुनूनी होनाय-यह स्वीकार करना कि वर्तमान समय में, एम.एस.एम.ई. भारत में सबसे बड़े रोजगार सृजक हैं। यदि ए.आई. एम.एस.एम.ई. की मदद कर सकता है-जैसा कि सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने वादा किया है-तो एम.एस.एम.ई. अधिक नौकरियां पैदा करने में सक्षम होंगे। सी.ई.ए. ने उल्लेख किया है कि भारत को ह्यहर साल कम से कम 80 लाख नौकरियांह्न पैदा करने की आवश्यकता है। आवश्यक संख्या अधिक होगीय तथा-उन लोगों से अपेक्षा करना, जो ए.आई. को अपनाएंगे और जिसके परिणामस्वरूप नौकरियां खत्म करेंगे, कि वे उतनी ही संख्या में नौकरियां पैदा करें। हमें श्री जेमी डिमन (सी.ई.ओ., जे.पी. मॉर्गन चेस) से सहमत होने और ह्यले-ऑफह्न (छंटनी) पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता नहीं है। ह्यकॉपोर्रेट सामाजिक उत्तरदायित्वह्न (सी.एस.आर.) ने व्यवसायों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा की है, उसमें नौकरी सृजन की जिम्मेदारी भी शामिल होनी चाहिए। बिना नौकरी या कम नौकरियों वाली दुनिया एक डरावने भविष्य की ओर ताकेगी। ह्यकामह्न एक इंसान को परिभाषित करता है। भोजन की तलाश के अलावा कोई अन्य जीवित प्राणी स्वेच्छा से काम नहीं करता। यदि ए.आई. हमारा सारा काम करेगा और सभी के लिए समृद्धि लाएगा, तो इंसान क्या करेंगे? जबकि अगले कुछ वर्षों के दौरान ए.आई. का प्रभाव सामने आएगा, यह इस प्रश्न पर विचार करने का समय है।

महात्मा गांधी और पंडित नेहरू आज की राजनीति में विलेन क्यों?

मा. मोहन लाल

स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के योगदान को कम करके नहीं देखा जा सकता। पता नहीं आज के तथाकथित राजनेता उन्हें गालियां क्यों देने लगे हैं? आज की पीढ़ी तो इन दोनों महापुरुषों के नाम और काम को भूल चुकी थी, देश के तथाकथित नेताओं ने उन्हें पुनः जिंदा कर दिया, परन्तु जिंदा उन्हें ह्यविलेनह्न के रूप में किया गया है, जिस पर मुझे ऐतराज है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी हासिल करने की कई समांतर लहरें चल रही थीं। परन्तु आजादी की जंग में शांति, अहिंसा, असहयोग और सत्याग्रह का शस्त्र उठा महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू और सरदार पटेल लड़ रहे थे। किसे कम या अधिक कहें? आजादी की सभी लहरों का एक ही उद्देश्य था, ह्यअंग्रेजो भारत छोड़ोह्न। आजादी की किस लहर का योगदान कम था? अंग्रेज यूं ही नहीं गया भारत को छोड़कर। उसने हिंदुस्तान को धर्म के नाम पर 2 टुकड़ों में बांट कर यहां से सदा के लिए चले जाने की ठान ली, जिसमें वह सफल रहा और हमने रूआंसे मुंह भारत को एक ह्यस्वतंत्र मुल्कह्न मान कर सिर झुका लिया। महात्मा गांधी या पंडित जवाहर लाल नेहरू देश-विभाजन के कहां दोषी हुए? इतिहास जैसा है उसे वैसा ही रहने दिया जाए। नेता जी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, शहीद-ए-

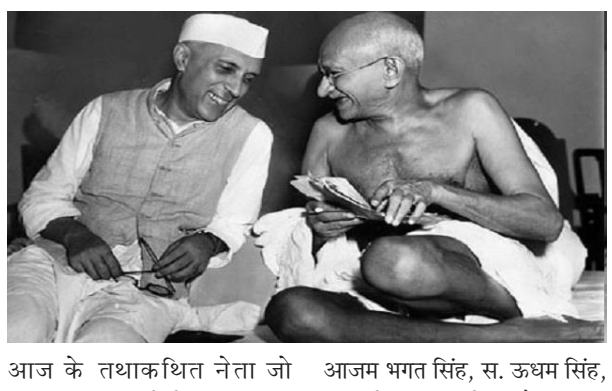

आजम भगत सिंह, स. ऊधम सिंह, पंडित नेहरू, स. पटेल और महात्मा गांधी सभी आजादी के परवाने थे। आजादी की फिलॉसफी गढ़ी लाल, पाल, बाल और गोपाल कृष्ण गोखले ने। आज के राजनेता आजादी का श्रेय किसी एक आजादी के परवाने को न दें। जिसने भी कुछ किया, अच्छा किया। 79 साल के बाद अपने पूर्वजों को कोसना, उन्हें देश की सारी समस्याओं के लिए दोषी ठहराना, अनुचित है। हमें अपने पूर्व नेताओं के प्रति नफरत नहीं, बल्कि आदर का भाव जागृत करना चाहिए। यूं ही देश में गढ़े मुर्दे मत उखाड़ो। नेहरू नए भारत के निमार्ता हैं। गांधी इस देश के नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे। उनका ह्यचरखाह्न तो प्राचीन संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। महात्मा गांधी ने एक ही लंगोटी में जिंदगी काट दी। यहां तक कि ह्यइंगलैंड गोलमेज कांफ्रैंसह्न में भी एक लंगोटी और एक धोती में गए। महात्मा गांधी को ह्यमहात्माह्न, ह्यबापूह्न, ह्यराष्ट्रपिताह्न के अलंकार यूं ही नहीं मिले। महात्मा गांधी ने कलह हिंसा, अन्याय, अत्याचार तथा शोषण के निवारण के लिए अहिंसा का सहारा लिया। सत्याग्रह द्वारा दूसरे व्यक्ति के हृदय में सत्य के प्रति सम्मान जगा कर उसे देशहित में लाना ही उनका प्रमुख उद्देश्य था। सत्याग्रही झूठी प्रतिष्ठा के चक्र में अपने सत्य मार्ग को त्यागता नहीं। उपवास, असहयोग, सविनय अवज्ञा द्वारा सत्याग्रह को पवित्र बनाया जा सकता है। चरखे के पीछे की भावना थी कि हम सादा खाएं, सादा पहनें और अहं को छोड़ समाज में शांति से विचरण करें। अपने जीते जी उन्होंने कष्ट, आलोचना निंदा का हंसते-हंसते सामना किया, किसी के प्रति भी घृणा का भाव नहीं। महात्मा गांधी की ह्यआत्म विजयह्न की भावना से मनुष्य मन, इंद्रियों, शरीर, बुद्धि पर नियंत्रण कर सकता है। घृणा और भय को त्यागने से ही सत्य के दर्शन हो सकते हैं। महात्मा गांधी ईश्वरभक्त थे। वह सभी धर्मों का सत्कार करते थे। ह्यधर्म परिवर्तनह्न को गांधी जी अनुचित समझते थे। मानव सेवा ही परम धर्म है। राजनीति धर्म की दासी है, स्वामिनी नहीं। धर्म राजनीति को पवित्र बनाता है। राम, सीता, राम चरित मानस, महात्मा गांधी के आदर्श थे। पहले विश्व युद्ध में महात्मा गांधी ने अंग्रेजों से सहयोग किया, परन्तु युद्ध समाप्ति पर अंग्रेजों ने ह्यरोलेट एक्टह्न जैसा भारत विरोधी एक्ट पास कर स्थानीय लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए। इसीलिए महात्मा गांधी ने दूसरे विश्व युद्ध में अंग्रेजों का विरोध किया। महात्मा गांधी अथाह सागर की भांति बड़े विस्तृत तथा अहम थे। गांधी ह्यमहात्माह्न इसलिए थे कि वह दूसरों के लिए जिए, दूसरों के हाथों मरे भी। वह भारत के सच्चे प्रतिनिधि थे। ह्यबिड़ला हाऊसह्न में लखपतियों के बीच रहकर भी गांधी जी की सोच सदा गरीबों के हित में रही। उन्होंने हमेशा रेलवे के तीसरे दर्जे में यात्रा की। राष्ट्र की गति, स्थिति, कृति और मति में उनका विलक्षण योगदान है। गांधी हमेशा मानवता की रक्षा में खड़े रहे। आज का नेता पंडित नेहरू पर भी तरह-तरह के आरोप लगा रहा है। उनके लार्ड माऊंटबेटन की पत्नी के साथ आंतरिक रिश्ते थे। कश्मीर समस्या नेहरू की देन है। उनकी कश्मीर घाटी के नेता शेख अब्दुल्ला से मित्रता थी। इत्यादि-इत्यादि। परन्तु उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि पंडित नेहरू आधुनिक भारत के नव-निर्माण में विश्वास रखते थे। औद्योगिक क्षेत्र में भारत को दुनिया के नक्शे पर देखना चाहते थे। नेहरू एक फिलॉसफी थे। अपने ऐसे नेताओं को कोसने, उन्हें गाली देने से देश का हित नहीं होगा। आज का नेता गांधी और जवाहर से आगे निकल कर बताए, अपने को गांधी और नेहरू बनाए।-

राशिफल

मेषः- आज सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी आपको देते हैं। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा।

वृषभः- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुनः- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्कः- गणेशजी कहते हैं कि भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रतापूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद-विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंहः- आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्याः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुलाः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

वृश्चिकः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

धनुः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है।

क्या भारत यूरोपीय संघ को वस्त्र निर्यात के मामले में बंगलादेश को पीछे छोड़ सकता है?

अर्नब चक्रवर्ती

भारत का वस्त्र उद्योग वैश्विक निर्यात बाजारों में लगातार पिछड़ता जा रहा है। इसके विपरीत, बंगलादेश ने निर्यात के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। हाल ही में हस्ताक्षरित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) और बंगलादेश के अल्प विकसित देश (एल.डी.सी.) का दर्जा समाप्त होने की संभावना को देखते हुए, यह भारत के वस्त्र उद्योग के लिए एक सुनहरा अवसर है। वस्त्र मूल्य श्रृंखला के भीतर, यूरोपीय संघ को भारत का निर्यात मुख्य रूप से तैयार कपड़ों जैसे टी-शर्ट, शर्ट और ट्राऊजर की बजाय मध्यवर्ती उत्पादों (विशेष रूप से धागे और कपड़े) पर केंद्रित है। बंगलादेश का निर्यात विशेष रूप से 2 श्रेणियों के तैयार कपड़ों में भारत से कहीं अधिक है, बुने या क्रोशिया से बने वस्त्र (जैसे टी-शर्ट, जर्सी, पुलओवर, स्वैटर और काप्डगन) और बुने हुए वस्त्र (जैसे सूट, जैकेट, ट्राऊजर, ड्रैस और शर्ट)। बुने हुए, क्रोशिया किए गए वस्त्रों के लिए यूरोपीय संघ के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी 2009 में लगभग 6.5 प्रतिशत से घटकर 2023 में लगभग 4.4 प्रतिशत रह गई। वहीं, बंगलादेश की हिस्सेदारी 2000 में मात्र 6 प्रतिशत से बढ़कर 2009 में 13 प्रतिशत और 2023

तक 26 प्रतिशत हो गई। बुने हुए वस्त्रों के व्यापार में भी इसी तरह का रुझान देखने को मिलता है। बुने हुए वस्त्रों के मामले में, यूरोपीय संघ को भारत के नाममात्र निर्यात मूल्य में निरपेक्ष रूप से गिरावट आई है, जो लगभग 3.5 अरब डॉलर के शिखर से गिरकर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। सभी उत्पादों में भारत की प्रति इकाई कीमत लगातार बंगलादेश से अधिक है। इससे निम्नलिखित संकेत मिल सकते हैं रू पहला, भारत अधिक मूल्यवर्धित, बेहतर गुणवत्ता वाले वस्त्रों का निर्यात कर रहा होगा, जिससे वह अधिक कीमतें वसूलने में सक्षम है। हालांकि, इसकी कम बाजार हिस्सेदारी से पता चलता है कि आम बाजार में बिकने वाले परिधानों की तुलना में ऐसे उत्पादों की यूरोपीय संघ में मांग सीमित है, जिससे संकेत मिलता है कि केवल ह्यप्रीमियम पोजीशनिंगह्न (यदि संभव हो तो) से बिक्री में वृद्धि नहीं हो सकती। दूसरा, और अधिक संभावित कारण यह है कि ऊंची कीमतें संरचनात्मक कमियों को दर्शाती हैं-उच्च उत्पादन लागत, कम एकीकृत आपूर्ति श्रृंखलाएं और रसद संबंधी अक्षमताएं। इसके अलावा, भारतीय और बंगलादेशी उत्पादों पर लगने वाले शुल्क में भी काफी अंतर है। बंगलादेश, एक अल्पविकसित देश होने के नाते, यूरोपीय संघ में शुल्क-मुक्त और कोटा-मुक्त प्रवेश का लाभ उठाता रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शून्य-टैरिफ पहुंच तब भी लागू होती है, जब वस्त्र यूरोपीय संघ की मानक ह्यदोहरे परिवर्तनह्न की आवश्यकता को पूरा नहीं करते। इसका मतलब यह है कि बंगलादेश दुनिया में कहीं से भी कपड़ा आयात कर सकता है, घरेलू स्तर पर कपड़े सिल सकता है और उन्हें शून्य शुल्क पर यूरोपीय संघ को निर्यात कर सकता है। भारत को इस तरह की तरजीही सुविधा प्राप्त न होने के कारण यूरोपीय संघ के मोस्ट फेवर्ड नेशन (एम.एफ.एन.) टैरिफ के तहत लगभग 12 प्रतिशत का भुगतान करना पड़ता है। दो प्रमुख संरचनात्मक बदलाव निकट भविष्य में दिखाई देने वाले हैं। सबसे पहले, बंगलादेश 2029 में अपने ई.बी.ए. लाभ खोने वाला है। इसका अर्थ होगा यूरोपीय संघ में स्वतरू शुल्क-मुक्त प्रवेश का अंत और परिधान निर्यात पर संभावित रूप से लगभग 12 प्रतिशत का एम.एफ.एन. (फाइनल फॉरेन नेटिव) टैरिफ लग सकता है। इसके बाद बंगलादेश यूरोपीय संघ की जनरलाइज्ड स्कीम ऑफ प्रैफरैंसेस प्लस (जी.एस.पी.) में प्रवेश करने का प्रयास करेगा, जो वस्त्रों सहित लगभग दो-तिहाई टैरिफ मदों पर शून्य टैरिफ प्रदान करता है। हालांकि, जी.एस.पी. में मूल के सख्त नियम (आर.ओ.ओ.) और सुरक्षा प्रावधान लागू होते हैं। बंगलादेश कपड़ों के लिए अन्य देशों (भारत सहित) पर काफी हद तक निर्भर है, इसलिए इसका मतलब यह हो सकता है कि बंगलादेश के वस्त्र शुल्क मुक्त प्रवेश के लिए जी.एस.पी.-आर.ओ.ओ. की शर्तों को पूरा न करें। ऐतिहासिक रूप से, यूरोपीय संघ दोहरे परिवर्तन मानदंड पर अपने रुख पर कायम रहा है। यदि वह ऐसा करना जारी रखता है, तो बंगलादेश को गंभीर नुकसान होगा। यदि प्रतिस्पर्धा मूल्य-आधारित है, तो बंगलादेश अपना बाजार हिस्सा खो सकता है। दूसरी ओर, यदि बंगलादेश का प्राथमिक लाभ आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण से आता है, तो वह उच्च शुल्कों के बावजूद भी अपना प्रभुत्व बनाए रख सकता है। भारत-ई.यू. समझौते के तहत भारत को यूरोपीय संघ के कपड़ा बाजारों में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा, बशर्ते 2 चरणों वाली प्रसंस्करण प्रक्रिया अनिवार्य हो। चूंकि भारत का कपड़ा उद्योग पहले से ही अपेक्षाकृत एकीकृत है (परिधान उत्पादन में प्रयुक्त अधिकांश धागे और कपड़े का निर्माण देश में ही होता है), इसलिए 2 चरणों वाली प्रसंस्करण प्रक्रिया भारतीय कपड़ा निर्यात के लिए कोई बाधा नहीं बनेगी। परिणामस्वरूप, भारतीय निर्यातक बिना किसी बड़े पुनर्गठन के मूल नियमों की कठोरता को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

बेटे अगस्त्य और पूर्व पत्नी स्टैनकोविक के लिए हार्दिक का चार करोड़ का तोहफा

मुंबई। हार्दिक पांड्या और नताशा स्टैनकोविक के अलगाव के बाद भी उनके रिश्ते में परिपक्वता दिख रही है। हाल ही में नताशा को बेटे अगस्त्य के साथ चार करोड़ रुपये की एसयूवी कार के साथ देखा गया, जिससे चर्चा तेज हो गई। सोशल मीडिया पोस्ट ने अटकलों को और हवा दी। दोनों अपने बेटे की संयुक्त परवरिश को प्राथमिकता दे रहे हैं। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और उनकी पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक भले ही अलग हो चुके हों, लेकिन अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश को लेकर दोनों की समझदारी लगातार चर्चा में है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नई लग्जरी एसयूवी को लेकर फैंस हैरान रह गए। काले रंग की इस शानदार कार की कीमत करीब तीन से चार करोड़ रुपये बताई जा रही है। नताशा को बेटे अगस्त्य के साथ इस कार के पास पोज देते देखा गया, जिसके बाद यह खबर तेजी से वायरल हो गई। बताया जा रहा है कि यह कार हार्दिक ने बेटे अगस्त्य के लिए खरीदी है। अगस्त्य के साथ स्टैनकोविक भी कार शो रूम साथ पहुंचीं। अगस्त्य स्टैनकोविक के साथ ही रह रहे हैं। सोशल मीडिया पोस्ट से बढ़ीं अटकलें इस मौके की तस्वीरें वाहन निर्माता कंपनी ने खुद साझा कीं।

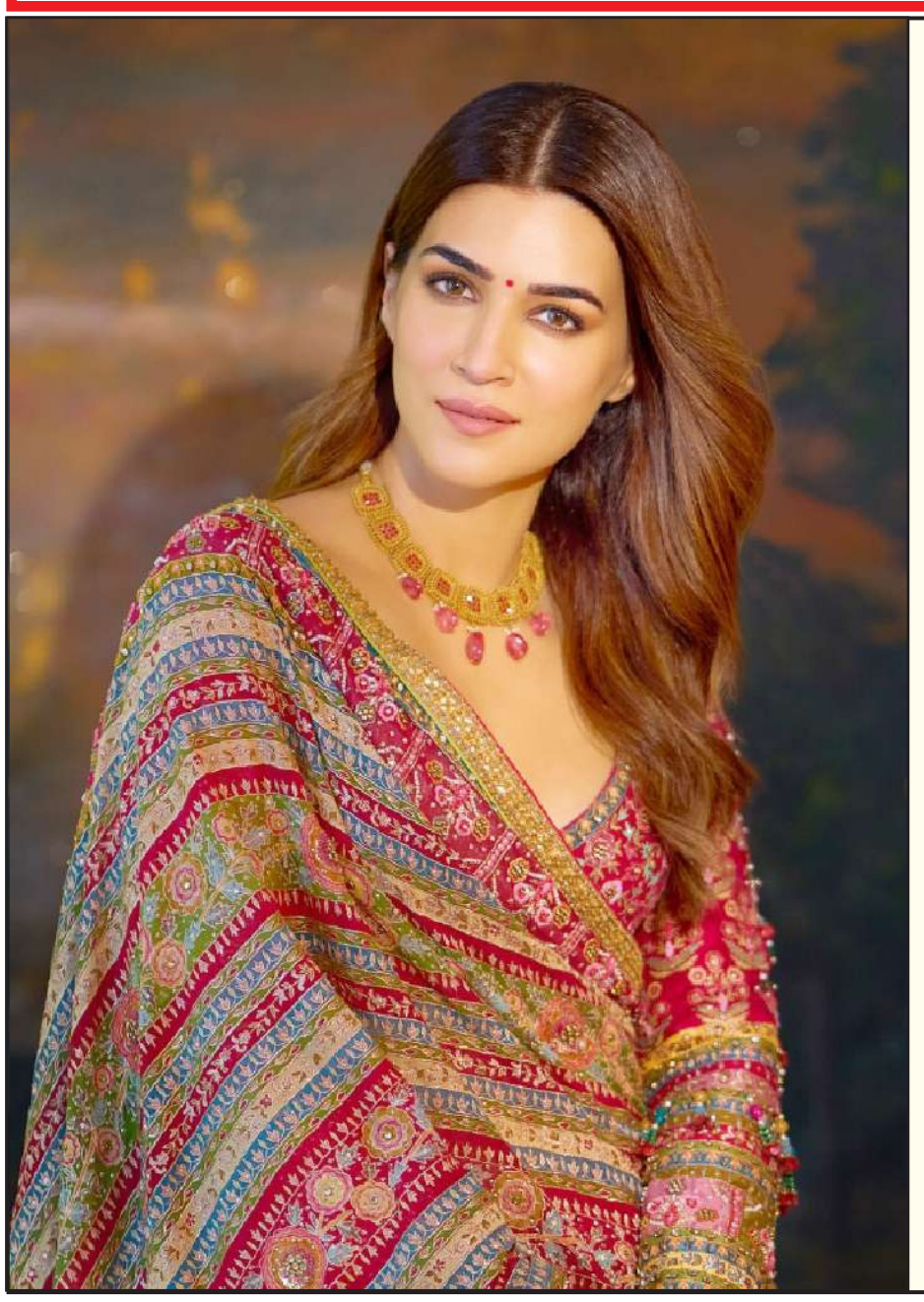

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ लंदन में नजर आईं कृति सेनन, हाथ में हाथ डाल कर बिताया क्वालिटी टाइम

कृति सेनन हाल ही में अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ लंदन में नजर आईं। दोनों को हाथ में हाथ डाले देखा गया।

अभिनेत्री कृति सेनन अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। अफवाहें हैं कि अभिनेत्री बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। हालांकि ना तो कृति ने, ना ही कबीर ने आधिकारिक तौर से अपने रिश्ते को लेकर कुछ कहा है। उनके बार-बार पब्लिक में दिखने से उनकी डेटिंग की अफवाहों को बल मिल रहा है।

लंदन में कबीर के साथ दिखीं कृति

सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो में कृति सेनन और कबीर बहिया लंदन में एक साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए नजर आए। क्लिप में, दोनों सड़कों पर हाथों में हाथ डाले चलते दिख रहे हैं। कबीर ने मैचिंग पैंट के साथ ब्लू स्वेटशर्ट पहनी, जबकि कृति ने ब्राउन टी-शर्ट के साथ ब्लू जींस पहनी है। उन्होंने अपने लुक को ब्राउन जैकेट और ब्लैक बूट्स से पूरा किया है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि वीडियो पुराना है या अभी का है।

कब से शुरू हुई डेटिंग की अफवाहें?

कृति के कबीर को डेट करने की अफवाहें तब शुरू हुई, जब उन्होंने ग्रीस में उनके साथ अपना 34वां जन्मदिन मनाया। उनके साथ कई फोटो और वीडियो ऑनलाइन सामने आए थे। उन्होंने ग्रीस से अपने दोस्तों के साथ भी फोटो शेयर की थीं, लेकिन उनमें कबीर नहीं थे। हालांकि कबीर ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की थी, वह एक ही जगह की लग रही थीं।

कृति सेनन का वर्क फ्रंट

कृति सेनन को आखिरी बार फिल्म 'तेरे इश्क में' में देखा गया था। वह जल्द ही फिल्म 'कॉकटेल 2' का हिस्सा होंगी। इसमें रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर लीड रोल में हैं। यह फिल्म 2012 में आई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है।

भाग्यश्री ने मनाया बेटे अभिमन्यु का 36वां जन्मदिन, शेयर की अनदेखी तस्वीरें

भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु का आज 36वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर अभिनेत्री ने बेटे के साथ अपनी नई और कई पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं।

भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु दसानी आज अपना 36वां जन्मदिन मना रह हैं। इस खुशी के मौके पर अभिमन्यु की मां और बॉलीवुड अभिनेत्री भाग्यश्री ने अपने बेटे के जन्मदिन पर कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और साथ अपने दिल की बात लिखी है।

भाग्यश्री का पोस्ट

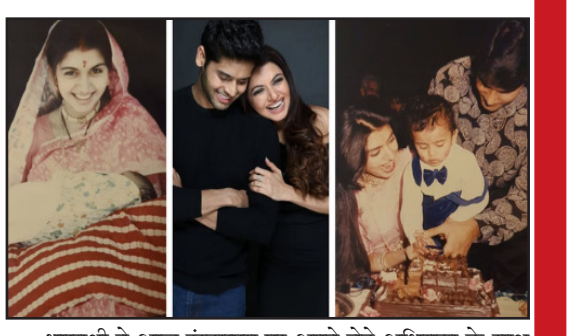

भाग्यश्री ने आज इंस्टाग्राम पर अपने बेटे अभिमन्यु के साथ कई पुरानी और नई तस्वीरें शेयर कीं। इन शानदार तस्वीरों के साथ भाग्यश्री ने बेटे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'तुमने मेरी पूरी दुनिया बदल दी। प्यार से भरे हुए, मेरे सपनों वाले, मेरी दुनिया के... तुम मेरे सूरज की किरण हो।'

भाग्यश्री ने बेटे को दीं जन्मदिन की बधाई

भाग्यश्री ने आगे लिखा, 'उस छोटे से खुशहाल बच्चे से, जिसे मैं अपना कह सकती थी, लेकर आज के इस खूबसूरत, बहुत प्रतिभाशाली और मजबूत इंसान तक का सफर याद करके मेरे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। इन तस्वीरों में हर एक के पीछे कोई खास याद जुड़ी हुई है। भगवान की कृपा हमेशा तुम पर बनी रहे। जन्मदिन मुबारक हो।'

सेलेब्स ने दी बधाई

आज भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु का जन्मदिन है। इस खास मौके पर कई सेलेब्स और भाग्यश्री के फैंस ने उनके बेटे अभिमन्यु को जन्मदिन की बहुत शुभकामनाएं दी हैं। चंकी पांडे ने लिखा, 'हैप्पी हैप्पी बर्थ डे', बरखा सिंह ने लिखा, 'डटऋृतीसरी तस्वीर बेहद खास है', एक्ट्रेस शीबा आकाशदीप साबिर ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो प्रिय, ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद', फराह खान अली ने लिखा, 'अभिमन्यु को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भगवान उसे आशीर्वाद दें।'

अभिमन्यु का करियर

भाग्यश्री के बेटे, अभिमन्यु दसानी का जन्म 21 फरवरी 1990 को हुआ था। वे एक भारतीय अभिनेता हैं, जिन्होंने 2018 में फिल्म 'मर्द को दर्द नहीं होता' से बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की थी।

महादेव की भक्ति में लीन दिखीं राशा थडानी, नंदी के कान में कही मनोकामना

अभिनेत्री राशा थडानी ने आज रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर की हैं। वे भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आईं। साथ ही, महादेव मंदिर में नंदी के कान में मन की मुराद कहती दिखीं।

अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने बीते साल फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। राशा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और खूब लाइमलाइट में रहती हैं। अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में वे महादेव की भक्ति में लीन नजर आईं। एक्ट्रेस ने कुछ फोटोज शेयर किए हैं।

राशा ने नंदी से कही मन की मुराद

राशा थडानी अक्सर अपनी मां रवीना टंडन के साथ आध्यात्मिक यात्रा पर जाती हैं। कई बार उन्हें भगवान शिव के मंदिर में पूजा-अर्चना करते देखा जाता है। एक बार फिर वे शिव मंदिर पहुंचीं, जहां नंदी के कान में उन्होंने अपनी मनोकामना कही। राशा ने आज रविवार को एक पोस्ट शेयर किया है। उनकी फोटो देख यूजर्स पूछ रहे हैं कि उन्होंने क्या विश मांगी है?

राशा ने तमन्ना से वीडियो कॉल पर की बात

इसके अलावा राशा ने कुछ फोटोज और साझा की हैं। एक तस्वीर में वे अभिनेत्री तमन्ना भाटिया से वीडियो कॉल पर बात करती दिख रही हैं। उन्होंने स्क्रीनशॉट शेयर किया है। वहीं, कुछ फोटोज उनके प्रोफेशनल फ्रंट की हैं, जिनमें वे फोटोशूट कराती दिख रही हैं।एक अन्य यूजर ने लिखा, 'महादेव की कृपा आप पर बनी रहे'। वहीं, कुछ यूजर्स राशा के लुक की तारीफ कर रहे हैं।

अनुष्का शर्मा ने एयरपोर्ट पर किया पैपराजी के साथ मजाक, विराट कोहली की छूटी हंसी

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। लेकिन इस दौरान तस्वीरें खिंचवाते वक्त अनुष्का काफी अच्छे मूड में नजर आईं।

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए। जब वहां मौजूद पैपराजी ने इस सेलिब्रिटी कपल से तस्वीरें खिंचवाने का अनुरोध किया तो उन्होंने तुरंत ही इसकी सहमति दे दी। हालांकि, यह पल देखते ही देखते हंसी-मजाक में बदल गया।

पैपराजी के साथ खिंचवाई तस्वीरें

अनुष्का शर्मा भले ही कई साल से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन उनके फैंस उन्हें एयरपोर्ट, क्रिकेट मैच या सार्वजनिक जगहों पर देखकर खुश हो जाते हैं। हाल ही में, अनुष्का और उनके पति विराट कोहली को मुंबई एयरपोर्ट पर साथ देखा गया। रविवार सुबह दोनों कैजुअल लेकिन स्टाइलिश कपड़ों में शहर से जा रहे थे। पैपराजी ने उनसे फोटो खिंचवाने की गुजारिश की, तो दोनों ने मुस्कुराते हुए पोज दिए।

वायरल वीडियो

फोटोग्राफर एक के बाद एक लाइन लगाकर अनुष्का और विराट के साथ तस्वीरें लेने लगे। ऐसे में अनुष्का ने मजाक में कहा, 'ऐसा लग रहा है जैसे हम शादी की तस्वीरें ले रहे हों।' यह सुनकर विराट हंस पड़े और पैपराजी भी अनुष्का की इस बात पर खूब हंसे। अनुष्का का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

अनुष्का और विराट

विराट और अनुष्का ने 2017 में शादी की थी। उनके दो बच्चे हैं- बेटी वामिका (जनवरी 2021 में जन्मी) और बेटा अकाय (फरवरी 2024 में जन्मा)। यह जोड़ा अपने परिवार को प्राइवेसी में रखना पसंद करता है। हाल ही में उन्हें अलीबाग के अपने घर से और वृंदावन में प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लेते हुए देखा गया।

अनुष्का का करियर

फिल्मों की बात करें तो अनुष्का 'बैंड बाजा बारात', 'पीके', 'सुल्तान', 'ऐ दिल है मुश्किल' जैसी हिट फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। उनकी झूलन गोस्वामी पर बनी बायोपिक 'चकदा एक्सप्रेस' नेटफ्लिक्स के लिए बन रही थी, लेकिन अभी यह प्रोजेक्ट रुका हुआ है। वजह साफ नहीं बताई गई, लेकिन फैंस उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

सान्या का धमाकेदार डांस, अल्लू और तेजा सज्जा ने लगाए चार चांद

बीती रात कोच्चि में 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ का आयोजन हुआ। अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी डांस परफॉर्मेंस से रौनक बढ़ा दी। वहीं, कई चर्चित सितारों ने भी चार चांद लगाए। देखिए अवॉर्ड नाइट की झलकियां।

केरल के कोच्चि में कल शनिवार रात 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ का आयोजन हुआ। 21 फरवरी को एडलक्स इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस अवॉर्ड सेरेमनी में कई सेलेब्स को साउथ का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया। सितारों की मौजूदगी में जगमगाई इस अवॉर्ड नाइट में सान्या मल्होत्रा ने धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस दी। देखिए अवॉर्ड इवेंट की कुछ खूबसूरत झलक...

सान्या ने लगाए चार चांद

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ में अपनी धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस से चार चांद लगा दिए। येलो कलर की ड्रेस में जब वे स्टेज पर थिरकीं तो देखने वाले हैरान रह गए।

तेजा सज्जा और अल्लू अर्जुन ने मनाया जीत का जश्न

अवॉर्ड नाइट में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और तेजा सज्जा भी नजर आए। यहां दोनों ने अवॉर्ड जीते। इसके बाद साथ में सेल्फी लेते दिखे। बता दें कि तेजा सज्जा ने 'हनु-मान' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स) तेलुगु का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है। वहीं, अल्लू अर्जुन ने फिल्म 'पुष्पा 2ः द रूल' में अपनी जबरदस्त परफॉर्मेंस के लिए तेलुगु में बेस्ट एक्टर (मेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

तृषा शेट्टी सहित इन सितारों भी किया डांस

अवॉर्ड नाइट में सान्या मल्होत्रा के अलावा निधि अग्रवाल, तृषा शेट्टी, प्रणिता सुभाष और अपर्णा बालमुरली ने भी शानदार परफॉर्मेंस दी। इन सितारों ने हिट गानों पर डांस किया, जिसे देख दर्शक भी झूम उठे। तृषा का डांस देख वहां मौजूद लोग मंत्रमुग्ध रह गए।

ग्लैमरस लुक में दिखीं काजल अग्रवाल

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ में अभिनेत्री काजल अग्रवाल ग्लैमरस लुक में नजर आईं। वे ग्रीन और सिल्वर कलर की ड्रेस में बेहद खूबसूरत लगीं। उन्होंने अवॉर्ड में शिरकत करते हुए खुशी जाहिर की। काजल को 'सत्यभामा' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक्स) - तेलुगु का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला।

रेड कार्पेट पर सितारों ने बांधा समां

शिवकार्तिकेयन, ममूटी, तेजा सज्जा, कनी कुश्रुति और प्रियामणि जैसे सितारे रेड कार्पेट पर उतरे तो अपने अंदाज और लुक से समा बांध दिया। बता दें कि इस बार पहली बार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ का आयोजन कोच्चि में हुआ है।

अल्लू अर्जुन ने कहा- 'शुक्रिया'

अभिनेता अल्लू अर्जुन ने अवॉर्ड मिलने पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शुक्रिया अदा किया है। अल्लू ने लिखा है, 'फिल्मफेयर, इस शानदार सम्मान के लिए धन्यवाद। यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है कि मुझे यह सम्मान ऐसी जगह मिला है, जहां मुझे इतने अनोखे तरीके से प्यार किया जाता है। मैं सभी के आशीर्वाद से अभिभूत हूं। और, मैं यह अवॉर्ड अपने सभी फैंस को उनके बेशुमार प्यार के लिए समर्पित करता हूं'।

कब शुरू होंगे रश्मिका मंदाना-विजय के प्री-वेडिंग फंक्शन? वेन्यू से लेकर मेहमानों की लिस्ट तक

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और एक्टर विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच इनके प्री-वेडिंग फंक्शन से जुड़ी डिटेल सामने आई हैं।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा अपनी शादी को लेकर लगातार खबरों में हैं। लंबे वक्त से दोनों अपने कथित अफेयर को लेकर चर्चा में रहे। अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि दोनों इस महीने यानी फरवरी में शादी करने वाले हैं। पिछले दिनों इनकी शादी का कार्ड, वेडिंग वेन्यू को लेकर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। जानिए इनके प्री-वेडिंग फंक्शन कब से शुरू होने वाले हैं?

उदयपुर में होगी रश्मिका-विजय की शादी

रश्मिका और विजय देवरकोंडा 26 फरवरी 2026 को राजस्थान के उदयपुर में शादी करने वाले हैं। कपल ने शादी के लिए एक शाही विरासत महल को चुना था, जहां सिर्फ परिवार के सदस्य और बेहद करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनके प्री-वेडिंग फंक्शन 24 फरवरी से शुरू होंगे। 24 फरवरी को संगीत और मेंहदी की रस्में होंगी।

हल्दी और शादी की रस्में

रश्मिका मंदाना और विजय की मेहंदी की रस्म 25 फरवरी को होगी। इसके बाद 26 फरवरी को कपल शादी के बंधन में बंधेगा। शादी किस तरह होगी, इसे लेकर अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उदयपुर में आयोजित शादी में तेलुगु और हिंदी इंडस्ट्री से किसी सेलेब को आमंत्रित नहीं किया गया है। हालांकि, शादी के बाद दो रिसेप्शन पार्टी होने की जानकारी है। एक पार्टी हैदराबाद में होगी और दूसरा रिसेप्शन मुंबई में आयोजित हो सकता है।

कब हुई थी दोनों की सगाई?

रश्मिका और विजय की शादी की खबरों के बीच सोशल मीडिया पर कुछ दिन पहले विजय देवरकोंडा के घर के कई वीडियो वायरल हुए, जिसमें पूरा घर लाइट्स से सजा था। शादी वाले घर की तरह इसे सजाया गया है। यह वीडियो देखकर फैंस भी विजय और रश्मिका के लिए खुश नजर आए।

द केरल स्टोरी 2 पर अनुराग कश्यप ने दिया रिएक्शन

सिनेमाघरों में जल्द ही फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' रिलीज होने वाली है। इससे पहले फिल्म पर कई लोगों के बयान आ रहे हैं। ऐसे में अनुराग कश्यप ने भी फिल्म पर प्रतिक्रिया दी है।

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' रिलीज होने से पहले काफी सुर्खियों में है। कुछ लोग फिल्म का सपोर्ट कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग फिल्म को प्रोपेगेंडा बता रहे हैं। जब से 'द केरल स्टोरी 2' का ट्रेलर आया है, तब से इस पर विवाद हो रहा है। एक सीन में, एक कलाकार को कुछ लोग जबरदस्ती प्रतिबंधित मांस खिलाते हुए दिख रहे हैं। फिल्म के इस सीन पर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने प्रतिक्रिया दी है।

फिल्म को लेकर अनुराग कश्यप क्या बोले?

हाल ही में अनुराग कश्यप फिल्मफेयर अवाड्र्स साउथ में शामिल होने के लिए कोच्चि गए। उनसे पैपराजी ने पूछा कि क्या उन्होंने 'द केरला स्टोरी 2' का ट्रेलर देखा है। इस पर उन्होंने जवाब दिया, 'द केरल स्टोरी 2 बकवास मूवी है। यह बकवास प्रोपेगेंडा है। पूरी तरह बकवास। ऐसा कौन बीफ खिलाता है? ऐसा कोई खिचड़ी भी नहीं खिलाता है।' उन्होंने आगे कहा, ' वे (फिल्ममेकर) बस पैसा कमाना चाहते हैं और सबको खुश करना चाहते हैं। लोगों को बांटना चाहते हैं।'

फिल्म पर क्या बोले केरल के सीएम?

कुछ दिनों पहले, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने फिल्म को लेकर एक्स पर लिखा था कि यह चौंकाने वाला है कि कैसे सांप्रदायिक झगड़े को भड़काने के मकसद से बनाई गई मनगढ़ंत कहानियों को खुली छूट मिल जाती है। जबकि कला के आलोचनात्मक प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाती है। हमें अपनी सद्भाव की जमीन को आतंक का अड्डा दिखाने की इन कोशिशों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। सच की हमेशा जीत होगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'द केरल स्टोरी 2' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से व/अ सर्टिफिकेट मिला है। यह 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक

कामाख्या नारायण सिंह हैं। फिल्म के निमार्ता विपुल अमृतलाल शाह हैं।

फॉर्मेट पर उठे सवालों पर सुनील गावस्कर की दो टूक राय, पूछा- पहले क्यों नहीं आपत्ति जताई ?

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 फॉर्मेट को लेकर आईसीसी की आलोचना हो रही है। प्री-सीडिंग के कारण सभी ग्रुप विजेता एक ही ग्रुप में आ गए हैं। इस पर सुनील गावस्कर ने कहा कि अब सवाल उठाना बेकार है और लॉजिस्टिक कारणों से यह फैसला लिया गया होगा। आईसीसी ने इसे आयोजन की जरूरत बताया है। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 चरण के लिए जैसे ही दोनों ग्रुप घोषित हुए, सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा अपनाए गए 'प्री-सीडिंग' फॉर्मेट के कारण सभी चार ग्रुप विजेता- भारत, जिम्बाब्वे, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका को एक ही ग्रुप में रखा गया। वहीं दूसरे ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड शामिल हैं। इस व्यवस्था के चलते आलोचकों का मानना है कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमें ही ह्यग्रुप ऑफ डेथह्व में फंस गई हैं, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों का रास्ता अपेक्षाकृत आसान हो गया है। सुनील गावस्कर का स्पष्ट रुख भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस विवाद पर साफ शब्दों में अपनी राय रखी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब टूर्नामेंट शुरू होने से पहले फॉर्मेट तय था, तब किसी ने आपत्ति क्यों नहीं जताई? गावस्कर का कहना है कि अब इस मुद्दे को उठाना व्यर्थ है। उनके अनुसार, अगर किसी को फॉर्मेट से समस्या थी तो उसे पहले ही आवाज उठानी चाहिए थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आईसीसी के पास इस निर्णय के पीछे ठोस कारण रहे होंगे।

ईरान पर हमले का फैसला हो चुका, अगले हफ्ते कार्रवाई कर सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन। पूर्व सीआईए अफसर जॉन किरियाकू ने दावा किया है कि अमेरिका ने अगले हफ्ते ईरान पर हमला करने का फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का दस दिन का अल्टीमेटम केवल ध्यान भटकाने के लिए है। इस सबके बीच अमेरिका ने युद्ध की आशंका के बीच अपने सैनिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अफसर जॉन किरियाकू ने एक बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि अमेरिका ने अगले हफ्ते की शुरूआत में ईरान पर सैन्य हमला करने का पक्का फैसला कर लिया है। जूलियन डोरे पॉडकास्ट पर बात करते हुए किरियाकोउ ने बताया कि व्हाइट हाउस के सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन की तरफ से दी गई समय सीमा के बावजूद हमला बहुत जल्द होने वाला

है। किरियाकोउ ने कहा, 'मेरा एक दोस्त है जो सीआईए का पूर्व अफसर है। उसने आज सुबह व्हाइट हाउस में अपने दोस्तों से बात की। उसका कहना है कि सोमवार या मंगलवार को ईरान पर हमला करने का फैसला हो चुका है। दस दिन का समय सिर्फ एक चाल? किरियाकोउ ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कल ईरान को एक प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए दस दिन का समय दिया था। इसमें ईरान को अपना बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम और यूरेनियम संवर्धन बंद करने के साथ-साथ हमास, हिजबुल्लाह और हूथी जैसे समूहों की मदद रोकने को कहा गया था। लेकिन किरियाकोउ का मानना है कि यह समय सीमा केवल ध्यान भटकाने की एक चाल है। उन्होंने कहा, ₹वे आपको दस दिन देंगे, लेकिन दो दिन बाद ही हमला कर देंगे। उन्हें लगता है कि इससे दुश्मन का संतुलन बिगड़ जाता है। सैनिकों की सुरक्षा के लिए जगह बदली हमले की तैयारी के संकेतों के बीच अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपने सैनिकों को सुरक्षित जगहों पर भेजना शुरू कर दिया है। 'द जेरूसलम पोस्ट' और 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, कतर के अल उदीद बेस से सैकड़ों सैनिकों को दूसरी जगह भेजा गया है। बहरीन, इराक, सीरिया, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन और यूएई में भी अमेरिकी ठिकानों पर ऐसे ही बदलाव देखे गए हैं। अधिकारियों को डर है कि युद्ध होने पर वहां मौजूद 30,000 से 40,000 अमेरिकी सैनिक ईरान का मुख्य निशाना बन सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी हमले की स्थिति में इलाके में मौजूद सभी अमेरिकी बेस और संपत्तियां उनका निशाना होंगी। इसे देखते हुए अमेरिका अपने एयर डिफेंस सिस्टम को शिफ्ट कर रहा है और एयरक्राफ्ट कैरियर को ईरान की पहुंच से दूर रख रहा है। ट्रंप की टीम में युद्ध को लेकर बंटवारा पूर्व सीआईए अफसर ने बताया कि ट्रंप प्रशासन के अंदर इस हमले को लेकर दो गुट बन गए हैं। उन्होंने कहा, युद्ध विरोधी गुट में जेडी वेंस और तुलसी गबार्ड हैं, जबकि युद्ध समर्थक गुट का नेतृत्व मार्को रुबियो कर रहे हैं। इसमें पीट हेगसेथ और अब ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ भी शामिल हैं। किरियाकोउ ने बताया कि ट्रंप ने पिछले 12 महीनों में सभी ज्वाइंट चीफ्स को बदल दिया है और ऐसे लोगों को रखा है जो उनके प्रति वफादार हैं। इसी वजह से सेना का रुख अब बदल गया है। यूएफओ फाइलों से ध्यान भटकाने की कोशिश? चर्चा के दौरान यह भी बात उठी कि सरकार जल्द ही यूएफओ से जुड़ी फाइलें जारी कर सकती है। किरियाकोउ ने माना कि हमले के समय ही इन फाइलों को जारी करने की बात करना जनता का ध्यान भटकाने का एक तरीका हो सकता है। जानकारों का मानना है कि तेहरान के मौजूदा प्रस्ताव अमेरिका को रोकने के लिए काफी नहीं हैं और राष्ट्रपति ट्रंप अब ईरान में सत्ता परिवर्तन के विचार पर काम कर रहे हैं।

ईरान पर सीमित सैन्य हमले पर विचार कर रहे ट्रंप, खामेनेई व बेटे की हत्या का विकल्प

नेटवर्क। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप के सामने सैन्य

विकल्प पेश किए गए। जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई की लक्षित हत्या शामिल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाने के लिए सीमित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने स्पष्ट किया, मैं कह सकता हूं कि मैं इस पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने यह भी बताया कि अगले 10 से 15 दिनों के भीतर इस बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, हालांकि तेहरान के साथ किसी समझौते की संभावना अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। सीएनबीसी के रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा था कि ईरान पर हमला किया जाए या नहीं, इस पर वे 10 से 15 दिनों में फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान के साथ समझौता हो जाता है, तो सैन्य कार्रवाई टाली जा सकती है। हालांकि ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तो वह जून में ईरानी परमाणु ठिकानों पर किए गए सीमित अमेरिकी हमलों से कहीं ज्यादा गंभीर होगा। परमाणु वार्ता में नहीं झुकेगा ईरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता के बीच उनका देश विश्व शक्तियों के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। ट्रंप के सामने खामेनेई व बेटे की हत्या का विकल्प ट्रंप के सामने सैन्य विकल्पों के रूप में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई की लक्षित हत्या जैसे विकल्प भी प्रस्तुत किए गए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ने फिलहाल ईरान पर हमले के मुद्दे पर फैसला नहीं लिया है। ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार के हवाले से एक्सियोस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष कई परिदृश्यों पर चर्चा की गई। इनमें से एक था-खामेनेई, उनके बेटे मोजतबा व अन्य मुल्लाओं को हमले में मार गिराना। मोजतबा को व्यापक रूप से उनके पिता के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है।

बांग्लादेश ने भारतीयों के लिए पर्यटक वीजा सेवा फिर शुरू करने का किया फैसला

ढाका। बांग्लादेश में करीब डेढ़ साल बाद हालात सुधर रहे हैं। इस कड़ी में बांग्लादेश ने भारतीयों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू करने का फैसला किया है। सोमवार से भारत में मौजूद बांग्लादेशी दूतावासों और मिशनों में पर्यटक वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दी जाएंगी। इसे सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया गया था। बांग्लादेश ने भारत में रहने वाले लोगों के लिए एक बड़ी घोषणा की है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, सोमवार से भारत में मौजूद बांग्लादेशी दूतावासों और मिशनों में पर्यटक वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दी जाएंगी। सुरक्षा कारणों की वजह से यह सेवा

कुछ समय के लिए रोक दी गई थी, लेकिन अब हालात बेहतर होने के बाद इसे दोबारा शुरू करने का फैसला लिया गया है। नई दिल्ली समेत इन जगहों पर आसानी से मिलेगा वीजा अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के अलावा कोलकाता, मुंबई, गुवाहाटी और अगरतला जैसे शहरों में मौजूद सभी मिशनों में अब पर्यटक वीजा आसानी से मिल सकेगा। पहले भी बाकी तरह के वीजा ज्यादातर जारी किए जा रहे थे, लेकिन टूरिस्ट वीजा सामान्य रूप से बंद थे और केवल बहुत जरूरी मामलों में ही दिए जा रहे थे। 15 जनवरी से 15 फरवरी तक लगी थी रोक दरअसल, बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए चुनाव से पहले सुरक्षा कारणों के चलते 15 जनवरी से 15 फरवरी तक पर्यटक वीजा सेवाओं पर रोक लगा दी गई थी। इसी दौरान नेपाल और भूटान जैसे देशों के लिए भी कुछ सेवाएं प्रभावित हुई थीं। अब चुनाव के बाद स्थिति सामान्य होने पर सभी तरह की वीजा सेवाओं को पूरी तरह बहाल किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ, बांग्लादेश के नागरिकों के लिए भारतीय टूरिस्ट वीजा अभी भी पूरी तरह शुरू नहीं हुए हैं, हालांकि कुछ खास श्रेणियों के वीजा जारी किए जा रहे हैं। नई सरकार बनने के बाद संबंधों में सुधार के संकेत विशेषज्ञों का मानना है कि नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार बनने के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। इसी कड़ी में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुआ था, जिससे दोनों देशों के रिश्तों को बेहतर बनाने का संदेश गया है।

चीन के ह्यूमनॉइड रोबोट बने कुंग फू स्टार, एक साल में बदली तस्वीर

बीजिंग। चीन के ह्यूमनॉइड रोबोट एक साल में कमजोर मशीनों से कुंग फू और जिम्नास्टिक में दक्ष बन गए। स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में दमदार प्रदर्शन के बाद अमेरिका-चीन टेक रेस और एआई रोबोटिक्स पर नई बहस छिड़ी। जो ह्यूमनॉइड रोबोट एक साल पहले सार्वजनिक प्रदर्शनों में गिरते-पड़ते नजर आते थे और जिनकी तकनीकी क्षमता पर संदेह जताया जाता था, वही अब कुंग फू फ्लिप्स, जिम्नास्टिक और हाई-प्रिसिजन डांस मूव्स के साथ चीन के स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में छा गए हैं। दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इस टीवी शो में चीनी स्टार्टअप्स के रोबोट्स ने यह साफ कर दिया कि तकनीक कितनी तेजी से आगे बढ़ रही है। इस प्रदर्शन ने जहां दर्शकों को रोमांचित किया, वहीं अमेरिका-चीन टेक रेस, नौकरियों के भविष्य और एआई आधारित मशीनों की बढ़ती ताकत पर वैश्विक बहस भी तेज कर दी है।

हालांकि विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि असली परीक्षा अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल और जटिल मानवीय वातावरण में विश्वसनीय प्रदर्शन की होगी। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार चीन के स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में इस बार कई स्टार्टअप कंपनियों के ह्यूमनॉइड रोबोट्स ने हिस्सा लिया। इन रोबोट्स ने कुंग फू स्टंट, समन्वित नृत्य और जिम्नास्टिक जैसे जटिल प्रदर्शन किए। यह प्रस्तुति 2025 के गाला से बिल्कुल अलग रही, जब अपेक्षाकृत कम उन्नत रोबोट्स रूमाल घुमाते हुए लोकनृत्य करते नजर आए थे और उनकी चाल अस्थिर दिखी थी। पिछले वर्ष अप्रैल में आयोजित एक रोबोट मैराथन भी सुर्खियों में रहा था, जहां कई रोबोट ठोकर खाते, गिरते या तकनीकी खराबी के कारण रुक जाते देखे गए थे। उस समय इन मशीनों की विश्वसनीयता पर सवाल उठे थे। लेकिन केवल एक वर्ष में तकनीकी सुधार ने धारणा बदल दी है। इस संबंध में सेमीएनालिसिस के विश्लेषक रेक नूटसेन ने कहा कि अब इन रोबोट्स को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उनके अनुसार स्प्रिंग गाला के प्रदर्शन के बाद रोबोट पहले से अधिक संतुलित, लचीले और सक्षम दिखे हैं। निर्माण और तैनाती में चीन की शुरूआती बढ़त बार्कलेज के आंकड़ों के अनुसार 2025 में दुनिया भर में लगभग 15,000 ह्यूमनॉइड रोबोट इंस्टॉलेशन हुए, जिनमें से 85 प्रतिशत से अधिक चीन में थे, जबकि अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 13 प्रतिशत रही। बार्कलेज की थीमैटिक एफआईसीसी रिसर्च प्रमुख जोर्निट्सा तोदोरोवा के मुताबिक चीन की सबसे बड़ी ताकत उसकी लगभग पूर्णतः वर्टिकली इंटीग्रेटेड रोबोटिक्स वैल्यू चेन है, रेयर अर्थ खनिजों और उच्च-प्रदर्शन मैग्नेट से लेकर भौतिक पुर्जों और बैटरियों तक।

इस्राइल पर अमेरिकी राजदूत के बयान पर भड़के इस्लामी देश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान समेत 14 देशों ने इस्राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी के बयान की कड़ी आलोचना की है। हकाबी ने अरब इलाकों पर इस्राइल के कब्जे का समर्थन किया था। इन देशों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ और इलाके की शांति के लिए बड़ा खतरा बताया है। पाकिस्तान रविवार को उन 13 अन्य देशों के साथ शामिल हो गया, जिन्होंने इस्राइल में अमेरिकी राजदूत के बयान की निंदा की है। मामले में अमेरिकी राजदूत ने बाइबिल के उस विचार से सहमति जताई थी, जिसमें इस्राइल को प्रमुख अरब इलाकों पर नियंत्रण करने का अधिकार बताया

गया था। अमेरिकी राजदूत ने क्या कहा था? अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने शुक्रवार को एक इंटरव्यू में यह बात कही। फॉक्स न्यूज के पूर्व एंकर टकर कार्लसन ने उनसे पूछा था कि क्या बाइबिल के अनुसार इराक की यूफ्रेट्स नदी और मिस्र की नील नदी के बीच का इलाका इस्राइल का है। इस पर हकाबी ने जवाब दिया, ₹अगर वे (इस्राइल) यह सब ले लें, तो यह ठीक रहेगा।₹ हकाबी इस्राइल के कट्टर समर्थक माने जाते हैं। इन देशों ने दी प्रतिक्रिया विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान, मिस्र, जॉर्डन, यूएई, इंडोनेशिया, तुर्की, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान, बहरीन, लेबनान, सीरिया और फिलिस्तीन के विदेश मंत्रियों ने इस पर गहरा ऐतराज जताया है। इसके अलावा इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी), अरब लीग और गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) ने भी हकाबी के बयान की कड़ी आलोचना की है और चिंता जाहिर की है। विदेश मंत्रियों ने कहा कि ऐसी खतरनाक और भड़काऊ बातें अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संयुक्त राष्ट्र के नियमों का खुला उल्लंघन हैं। इससे इस पूरे इलाके की सुरक्षा और स्थिरता को गंभीर खतरा हो सकता है। संयुक्त बयान में कहा गया कि ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सोच और गाजा संघर्ष को खत्म करने की उनकी योजना के बिल्कुल उलट हैं। ट्रंप की योजना तनाव कम करने और फिलिस्तीनी लोगों के लिए एक आजाद देश बनाने का माहौल तैयार करने पर आधारित है। बयान जारी कर किया विरोध प्रदर्शन मंत्रियों का कहना है कि दूसरों की जमीन पर कब्जे को सही ठहराना शांति की कोशिशों को कमजोर करता है और माहौल को भड़काता है। मंत्रियों ने फिर से साफ किया कि कब्जे वाले फिलिस्तीनी इलाके या किसी दूसरी अरब जमीन पर इस्राइल का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने वेस्ट बैंक पर कब्जा करने या उसे गाजा पट्टी से अलग करने की किसी भी कोशिश को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने फिलिस्तीनी इलाकों में बस्तियां बसाने का भी कड़ा विरोध किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस्राइल अपनी विस्तारवादी नीतियां और गैर-कानूनी काम जारी रखता है, तो इससे हिंसा और टकराव ही बढ़ेगा। साथ, सभी देशों ने फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों और चार जून 1967 की सीमाओं के आधार पर एक स्वतंत्र फिलिस्तीन देश बनाने की अपनी मांग को दोहराया।

ईरान से बढ़ा तनाव, अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों के ठिकाने बदले

वॉशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध की आशंका के बीच मिडिल ईस्ट में अपने सैनिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है। पेंटागन को डर है कि वहां मौजूद अमेरिकी सैनिक ईरान का निशाना बन सकते हैं। अमेरिका अपनी सुरक्षा बढ़ा रहा है और एयरक्राफ्ट कैरियर को भी ईरान की पहुंच से दूर रख रहा है। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अलग-अलग जगहों पर तैनात अपने सैन्य कर्मचारियों को दूसरी जगहों पर भेजना शुरू कर दिया है।

यह बदलाव ईरान के साथ सीधे सैन्य टकराव के बढ़ते खतरे को देखते हुए किया जा रहा है। 'द येरूसलम पोस्ट' ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के हवाले से बताया है कि पेंटागन के अधिकारियों के मुताबिक, कतर के अल उदीद बेस से सैकड़ों सैनिकों को दूसरी जगह भेजा गया है। इसी तरह के बदलाव बहरीन (जहां नेवी के 5वें बेड़े का मुख्यालय है), इराक, सीरिया, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर भी देखे गए हैं। रिपोर्ट में क्या? रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों को डर है कि इस इलाके में अभी तैनात 30,000 से 40,000 अमेरिकी सैनिक युद्ध की स्थिति में ईरान का मुख्य निशाना बन सकते हैं। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अब टकराव होता है, तो वह जून 2025 में अल उदीद पर हुए हमले से काफी अलग होगा। उस समय ईरान ने अमेरिका को पहले से जानकारी दे दी थी, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। जेरूसलम पोस्ट ने संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन की एक सख्त चेतावनी का भी जिक्र किया है। इसमें कहा गया था कि अगर अमेरिका हमला करता है, तो इस इलाके में दुश्मन सेना के सभी बेस और संपत्तियां उनका सही निशाना होंगी। अमेरिका तैनात कर रहा डिफेंस सिस्टम इन खतरों को देखते हुए, अमेरिका अपनी सेना और हितों की सुरक्षा के लिए मिडिल ईस्ट में एयर डिफेंस सिस्टम को शिफ्ट कर रहा है। इसके साथ ही, दो एयरक्राफ्ट कैरियर को ईरानी इलाके से काफी दूरी पर रखने का फैसला किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि वे जवाबी कार्रवाई के लिए आसान निशाना न बनें। क्या बोले विशेषज्ञ? जेरूसलम पोस्ट ने बताया कि ये तैयारियां लंबे समय तक चलने वाले टकराव की ओर इशारा करती हैं। हालांकि ट्रंप प्रशासन आधिकारिक तौर पर कूटनीतिक समाधान खोजने की बात कर रहा है, लेकिन कई जानकारों का मानना है कि तेहरान के मौजूदा प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सैन्य हमला करने से रोकने के लिए काफी नहीं हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि राष्ट्रपति ने हाल ही में ईरान में सत्ता बदलने का विचार दिया था।

कट्टर इस्लामी समूहों को समर्थन दे रही पाकिस्तानी सेना

काबुल। एक रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान का मध्य पूर्व की ओर रुख दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया के पहले से ही अस्थिर क्षेत्रों में गलतफहमी, वैचारिक प्रभाव और प्रॉक्सी संघर्ष के खतरे को बढ़ा देता है। पाकिस्तान की सेना हमास और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे कट्टर इस्लामी समूहों को अपनी गतिविधि जारी रखने

के लिए समर्थन दे रही है। इसकी वजह से लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे स्थानीय आतंकी संगठनों को समर्थन मिल रहा है और वे गाजा और कश्मीर पर इस्लामिक देशों से सपोर्ट मांग रहे हैं। छीळ और खीट को समर्थन देता रहा है पाकिस्तान पाकिस्तान लंबे समय से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसी अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों को समर्थन देता रहा है। भले ही अंतरराष्ट्रीय दबाव में पाकिस्तान ने इन्हें प्रतिबंधित किया, लेकिन ये समूह अब भी सहयोगियों और सामने वाली संरचनाओं के जरिए सक्रिय हैं। पाकिस्तान जब मध्य पूर्व में अपनी सुरक्षा उपस्थिति बढ़ाता है और साथ ही इस्लामी आतंकवादी समूहों को खुले समर्थन देता है, तो यह समस्या सिर्फ दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं रहती, बल्कि क्षेत्रीय बन जाती है। हमास का समर्थन कर रहे पाकिस्तान के राजनीतिक और धार्मिक प्लेटफॉर्म रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पाकिस्तान के राजनीतिक और धार्मिक प्लेटफॉर्म हमास का समर्थन कर रहे हैं। जनवरी 2024 में पाकिस्तान की संसद ने हमास के प्रतिनिधि खालेद कदूमी का स्वागत किया और फरवरी 2025 में उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान हमास की मेजबानी कर स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों को पश्चिमी देशों, इस्राइल और भारत के खिलाफ एकजुट कर रहा है। आतंक समर्थक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की छवि अमेरिका और यूरोपीय संघ समेत कई देशों ने हमास को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। इसके इतर पाकिस्तान में उन्हें सम्मानित अतिथि के रूप में देखना दो खतरे पैदा करता है।

मिडिल ईस्ट पर इस्राइल का हक? अमेरिकी राजदूत के बयान से मचा बवाल

तेल अवीव। इस्राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हुकाबी के उस बयान पर विवाद गहरा गया है जिसमें उन्होंने कहा कि इस्राइल को मध्य पूर्व के बड़े हिस्से पर अधिकार हो सकता है। सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन और अरब लीग सहित कई देशों ने इसे भड़काऊ और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया। इस्राइल में अमेरिका के राजदूत माइक हुकाबी के एक बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी है। हुकाबी ने एक इंटरव्यू में कहा कि इस्राइल को मध्य पूर्व के बड़े हिस्से पर अधिकार हो सकता है। उन्होंने यह टिप्पणी अमेरिकी रूढ़िवादी कमेंटेटर टकर कार्लसन को

दिए इंटरव्यू में की। कार्लसन ने बाइबिल के संदर्भ में पूछा था कि क्या इस्राइल को उस भूभाग पर अधिकार है, जो आज पूरे मिडिल ईस्ट के बड़े हिस्से में फैला है। इस पर हुकाबी ने कहा अगर वे सब ले लें तो भी ठीक होगा। हालांकि बाद में उन्होंने जोड़ा कि इस्राइल फिलहाल अपने क्षेत्र का विस्तार नहीं चाहता और उसे अपने वैध क्षेत्र में सुरक्षा का अधिकार है। अरब और मुस्लिम देशों की कड़ी प्रतिक्रिया हुकाबी के बयान के बाद सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन, इस्लामिक सहयोग संगठन (ऊक्ठ) और अरब लीग ने कड़ी आपत्ति जताई। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने इसे अत्यधिक उग्र और अस्वीकार्य बयानबाजी बताया और अमेरिकी विदेश विभाग से स्पष्टीकरण की मांग की। मिस्र ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन कहा और दोहराया कि इस्राइल का कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों या अन्य अरब भूमि पर कोई संप्रभु अधिकार नहीं है। अरब लीग ने कहा कि ऐसे बयान क्षेत्र में धार्मिक और राष्ट्रीय भावनाओं को भड़काने का काम करते हैं। सीमाएं और संघर्ष का इतिहास 1948 में स्थापना के बाद से इस्राइल की सीमाएं कई युद्धों, संघर्ष विराम समझौतों और शांति संधियों के चलते बदलती रही हैं। 1967 के छह-दिवसीय युद्ध में इस्राइल ने वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम, गाजा, सिनाई प्रायद्वीप और गोलान हाइट्स पर कब्जा किया था। बाद में मिस्र के साथ शांति समझौते के तहत सिनाई खाली किया गया और 2005 में गाजा से एकतरफा वापसी की गई।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।